



नागराज और तूफान-जू

नया घमाकेदार कॉमिक्स

मुफ्त
नागराज का एक पोस्टर



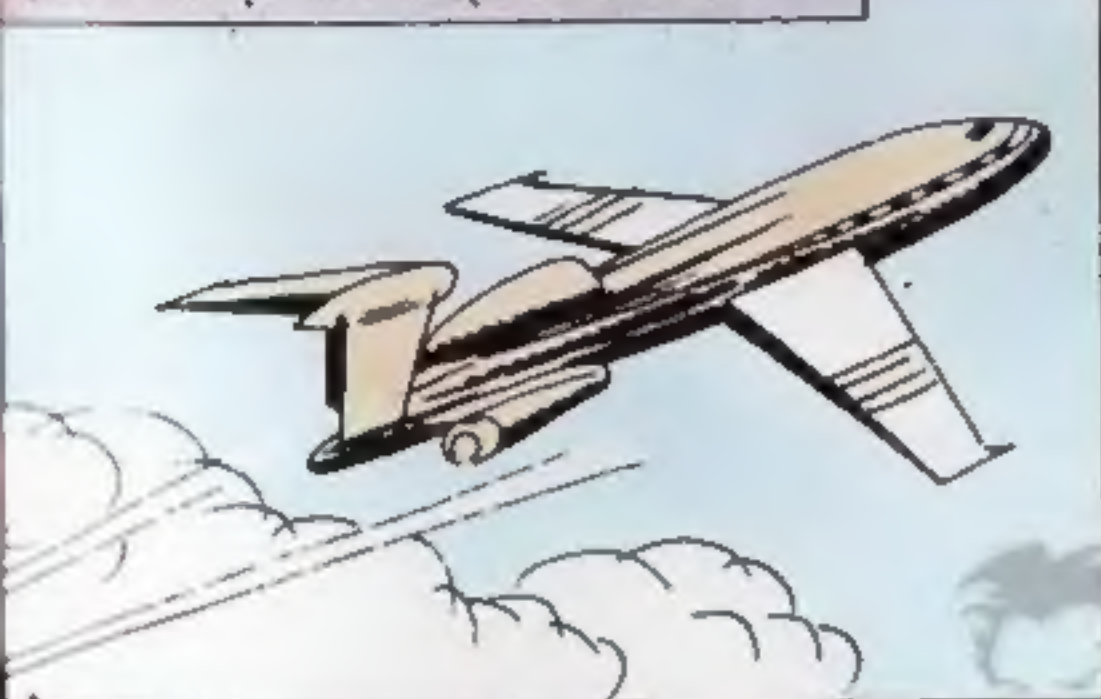


नागराज और तूफान-जू

लेखक: संजय गुप्ता व तरुण कुमार बाही
संपादक: मनीष चंद्र गुप्त चित्र: सुनील स्टूडिओ



आतंकवाद का दुश्मन नागराज अफ्रीका के जंगलों से थोडांगा का समाप्त कर उड़ा चला जा रहा था चीन की तरफ —



चीन का लॉप गैंगस्टर कोया-कोया हितेची जिसने चीन के बड़े-बड़े नेताओं का अपहरण करके चीन में हंगामा मचा रखा है। अब मुझे उसका खाता करना है।



मजदानी पेड़चिंगा में।

कोया-कोया, कि लिए क्या है?



फज! समय आ गया है, तुम्हें तूफान बनकर लीफेंग का अप-हरण करना है।

आप समझिए काम हो गया, बेट कोया-कोया!

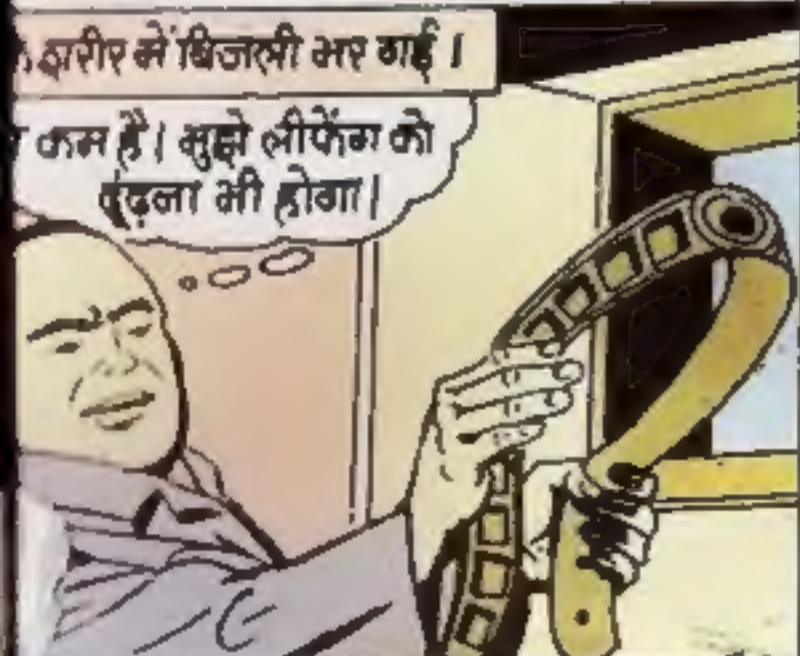


यह काम तुम्हें काम तक पूरा करना है अब इस चालते है।

कोया-कोया की आकृति धीरे-धीरे गायब हो गई।

द्वारीर में बिजली भर गई।

काम है। मुझे लीफेंग को बंदना भी होगा।



और —

पावर बेल्ट पहनकर...



... वह बन गया तूफान।

CENTRAL EXTERNAL LIAISON DEPARTMENT (C.E.L.D.)

कमाण्डो वाक ! तुम सेक्टर एक्सटर्नल
लिजल डिपार्टमेंट * के जम्बर वन जासूस
हो । तुम्हें आज एक बेहद जरूरी
आपरेडेशन पर नियुक्त किया
जा रहा है ।

* चाहना की सीक्रेट सर्विस ।

कहिए सर, मुझे
क्या करना
है ?

तुम्हें प्रधान
मंत्री के अपहरण
रोकना है, जिसके
तुलान निकल
चुका

विस्फोट हुआ था वल के कमरों में —

प्रधानमंत्री लीफेंग का अपहरण !
पताला तो नहीं हो गया कोरा —
कोरा गिराह !

कुछ भी है,
अब प्रधानमंत्री
की सुरक्षा तुम्हारे
हाथ में है ।

मेरी जान
जाएगी सर तो
प्रधानमंत्री जी का
नहीं कर पाएंगे । यह
एजेंट कमाण्डो वल क

और वल अपने निशान पर निशान पड़ा —

टकला सकल डेजेंट 320000 वर्ग कि.मी. में फैले मरानक
रेजीसल में बना C.E.L.D. का अभेद्य किला —

प्रधानमंत्री जी ! आप बेफिक
रहें, वल के रहते पुलिस की कोई
शक्ति आपका कुछ नहीं
बिगाड़ सकती ।

किन्तु
तुलान

किन्तु कश्मीरी और करजी का फर्क तो मुकामला होने पर ही पता चलना था।



किले पर तैनात गाहूँ की
नजरें तूफान पर पड़ीं।



मूर्ख जानते नहीं
कि तूफान पर बोहियां
असर नहीं करती।)



स्वस्थार पटाखों की आवाजें वजन के कानों तक भी पहुंचीं—

लगाता है
दूफाज यहाँ पहुँच
गया है।

तूफान !
अब मैं
गया ।



बाल ने अपनी स्पेशल गल समाप्ती और—



आप मेरा इंतजार करें, मैं अभी दुपाल की भाड़ा लेकर यहां आता हूँ।

दोनों का जबरदस्त सामना हुआ—



वान ने संभलते ही तूफान पर कायर किया—

कमांडो वान ! मेरे रास्ते से हट जाओ ! तुम्हें पता ही है कि आज तक तूफान कभी स्वाामी हाथ नहीं लौटा !

नहीं तूफान, शायद तुम्हें नहीं पता कि वान भी कभी असफल नहीं हुआ !

और—

यह स्पेशल वान सिर्फ तेरे के लिए बन तूफान

कहते ही वान ने अपनी स्पेशल वान झपट कर उठा ली !

तूफान ने भी वार किया—

तेजर वान तो तुम्हें मिल गई, किन्तु स्वाक्का तो तब होगा ना जब वान रहेगी !

उसने एक हैंडब्रेनेड तूफान की तरफ उछाल दिया...

धडास

अगले ही क्षण—

किन्तु—

उफ ! इसरीर इतना तप के रहा है ?

... किन्तु तूफान पर धमाके का कोई असर नहीं हुआ !

वान चाहकर भी उसके हो पाया !

और —



राह की सारी रुकावटों को पार करता तूफान —



पहुंच गया प्रधानमंत्री लीफेंग के सामने —



और तूफान ने प्रधानमंत्री को उठा लिया।

तुंगतिंग इतिव के अन्दर बने कोरा कोरा हिनेरी के अड़्डे पर —



तूफान का लहू खौल उठा।



तूफान आज अत्याधिक क्रोध में था।



बेट वाक आफ चाइना के अंदर कहीं CELD का एक गुप्त आफिस।
कमांडो वाक! तुम्हारी सफलता पर पूरे चीन को गर्व है किंतु...
कोई बात नहीं सर! यह सब तौ होता ही रहता है।

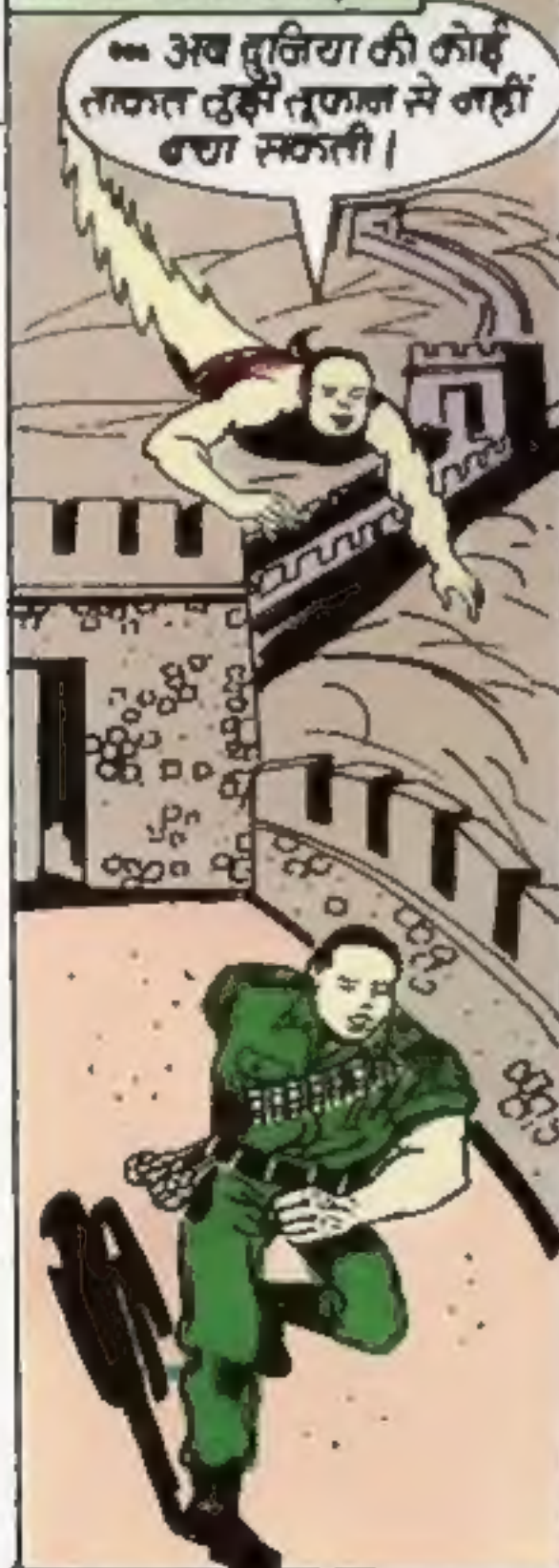
कमांडो वान बाहर आया, किन्तु यह क्या ?



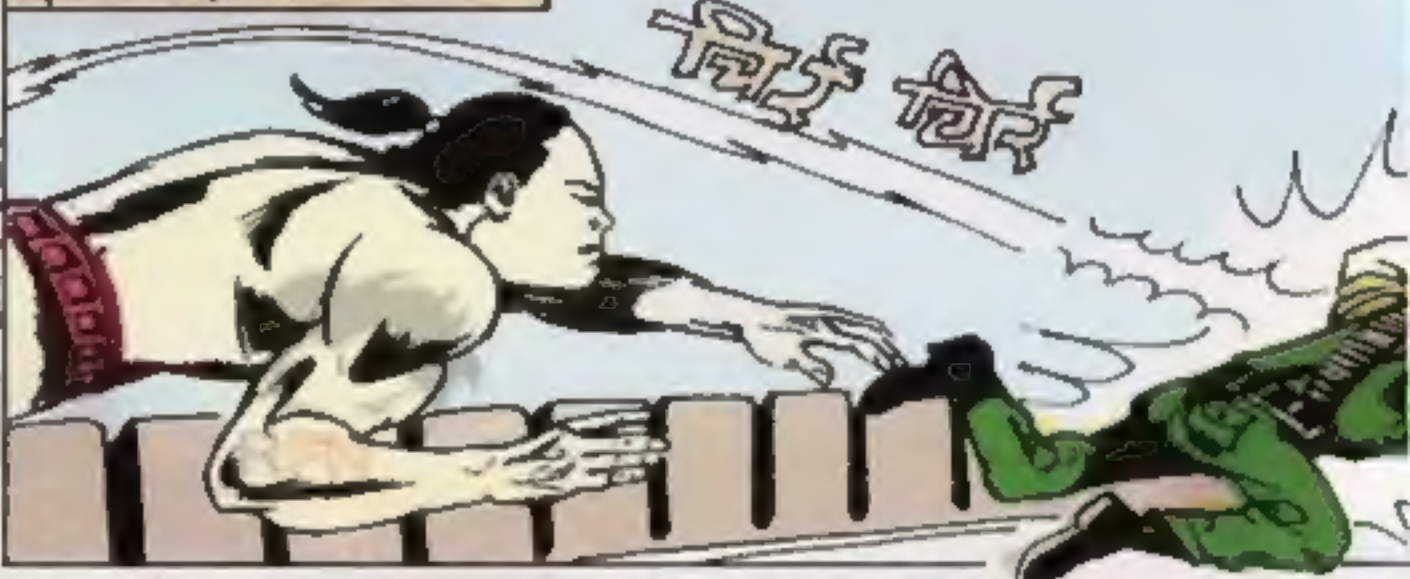
लेकिन तभी—



अकस्मिकी इसी में थी कि भाग निकलता जाए—



तूफान ने हमला किया—



और वान को जकड़ लिया जिन्दा ना छोड़ने के लिए—



किन्तु तभी—





और —

उफ! इसका शरीर तो बुरी तरह तप रहा है।

हा हा हा नागराज! अब मेरी कैद से कैसे छुटोगे, बोलो?



तूफान के शरीर का ताप निरंतर बढ़ता जा रहा था —

उफ! और पीड़ा नहीं का सह



तभी इस लड़ाई का मुकद्दरक वान चीखा —

नागराज! इसकी बेल्ट उखाड़ दो। उसी में इसकी सारी ताकत है।



नागराज के क्षीण होते हाथ ने तूफान की बेल्ट को दबोच लिया —



और पूरी शक्ति बंदोर कर नागराज



... बेल्ट को उखाड़ दिया —

और अब तूफान पड़ा था धरती पर...

क्यों कि पावरबेल्ट के बिना...

... वह था केवल फान।



फान की रूह फना हो गई नागराज का धूँसा चस्म के



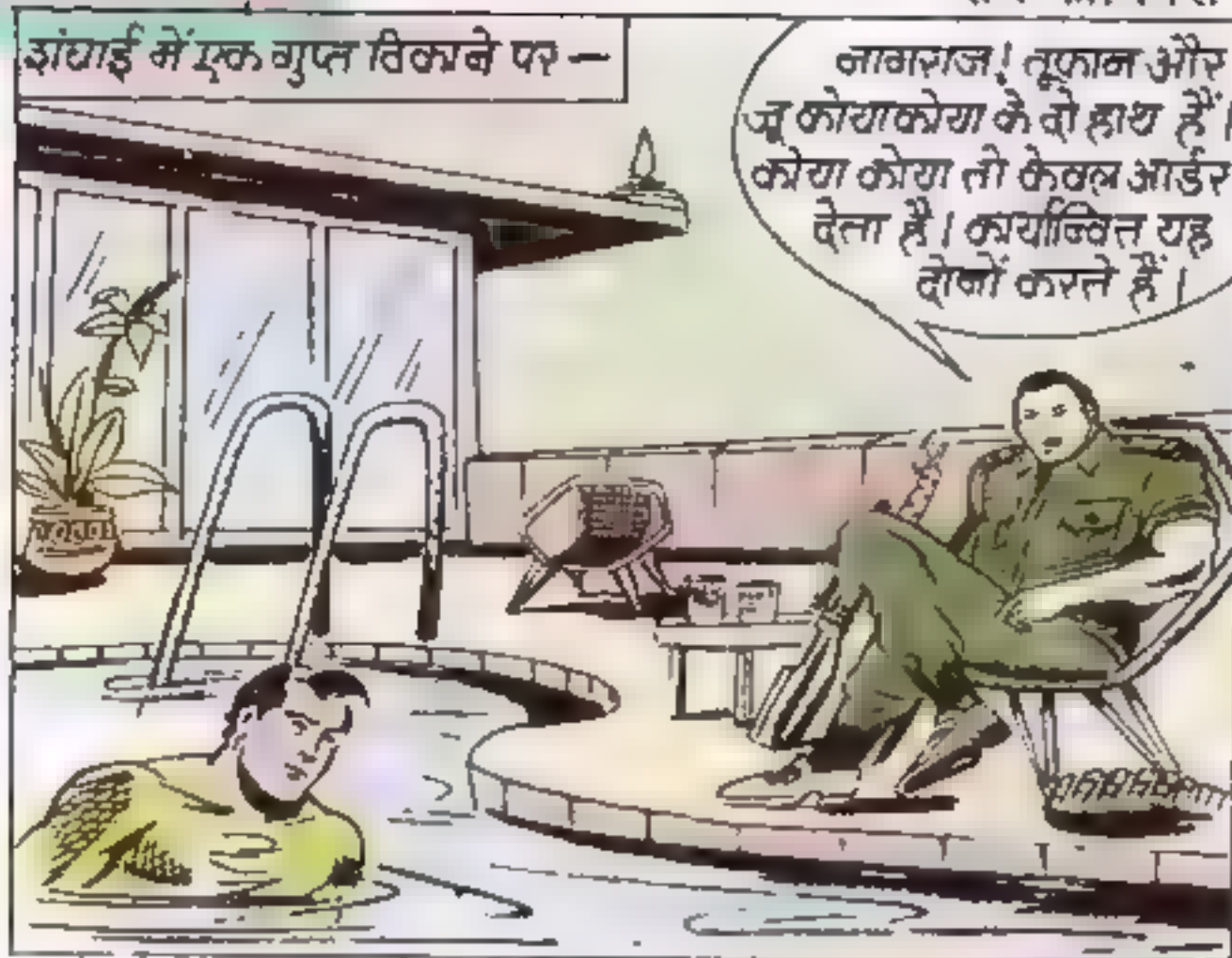
क्रोध चरम सीमा पर था नागराज का —



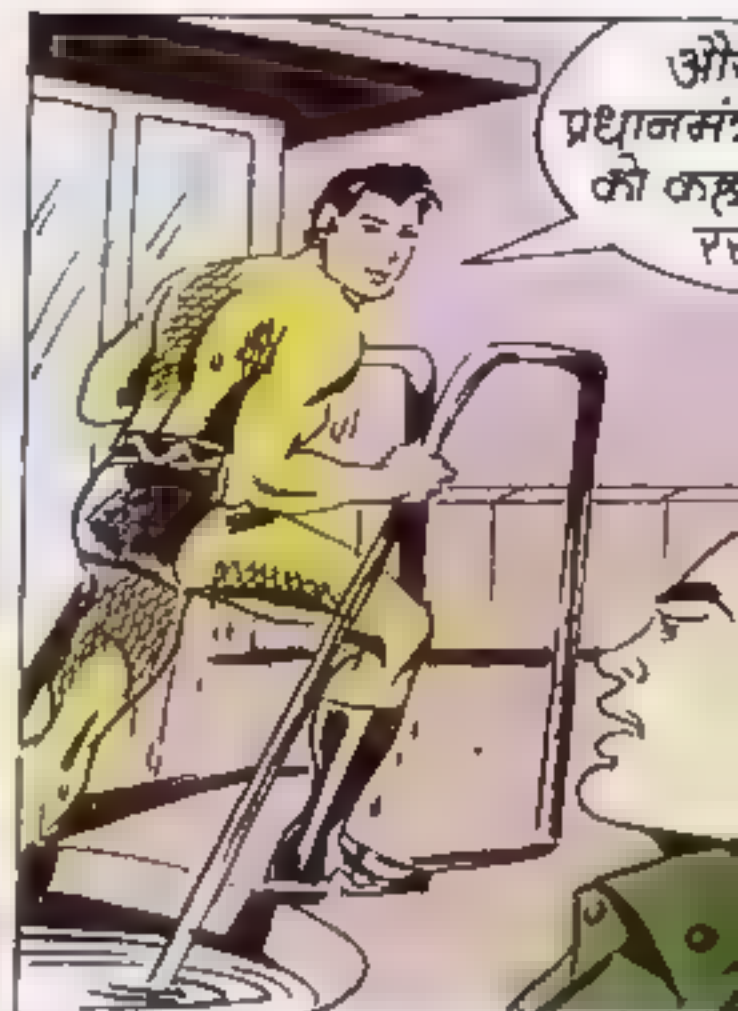
चील पर बरसों से हुकूमत कर रहे कोया-कोया हितेची को पहली बार किसी ने हतना नाराज देखा था —



इंटाई में एक गुप्त विकाश पर —



नागराज! तूफान और
जू कोराकोरा के दो हाथ हैं।
कोरा कोरा तो केवल आर्डर
देता है। कार्यान्वित रह
दोनों करते हैं।



और
प्रधानमंत्री
को कह
रह

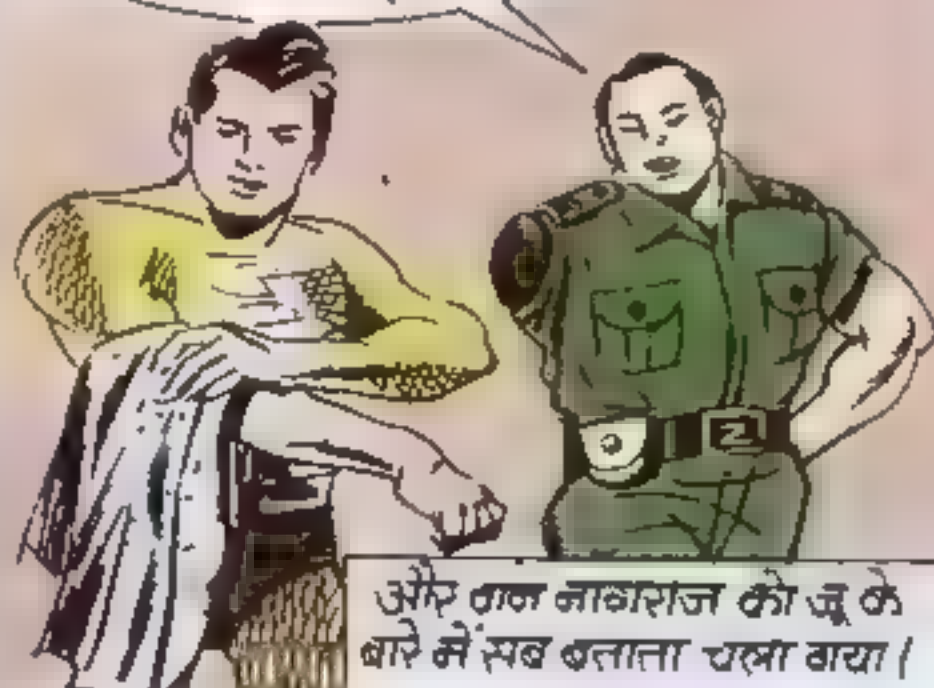
डाऊट्रिन जेल में जिसके अंदर
पांच से कैदियों की जगह अब पांचसे
चुले हुए सैनिक कैदियों के वेश में
उनकी सुरक्षा पर तैनात
हैं।...



... और नागराज! कोराकोरा को
जब तूफान की मौत की सुबह मिलेगी
वह जू को हमारी खोज में
लगाएगा।...

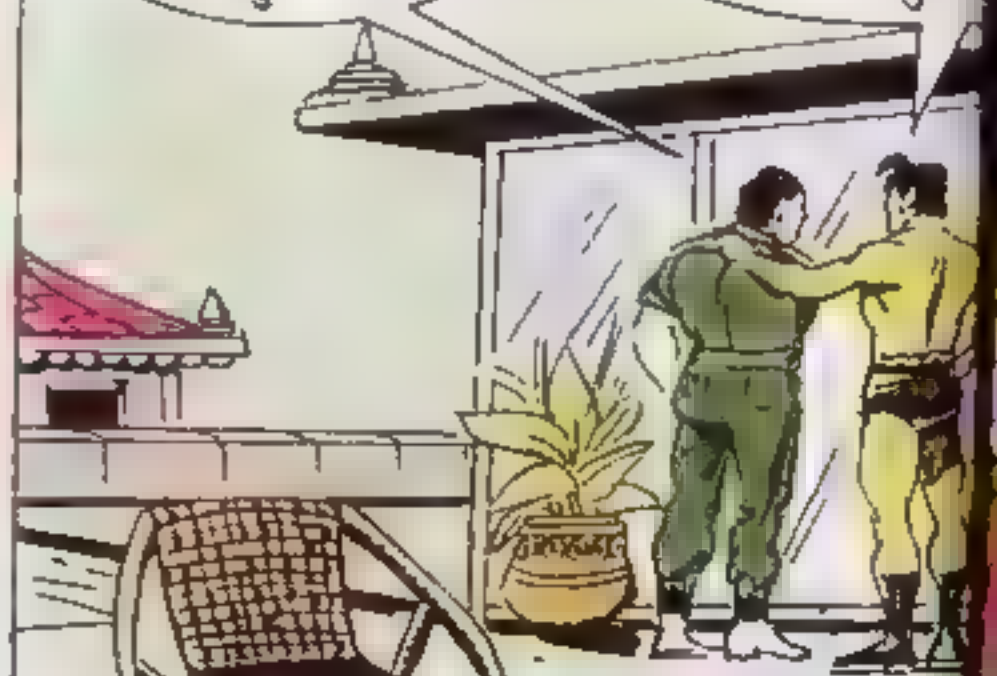


... जू चीन की सबसे ताकतवर
तोप है। उसकी मारक शक्ति
असीमित है।...



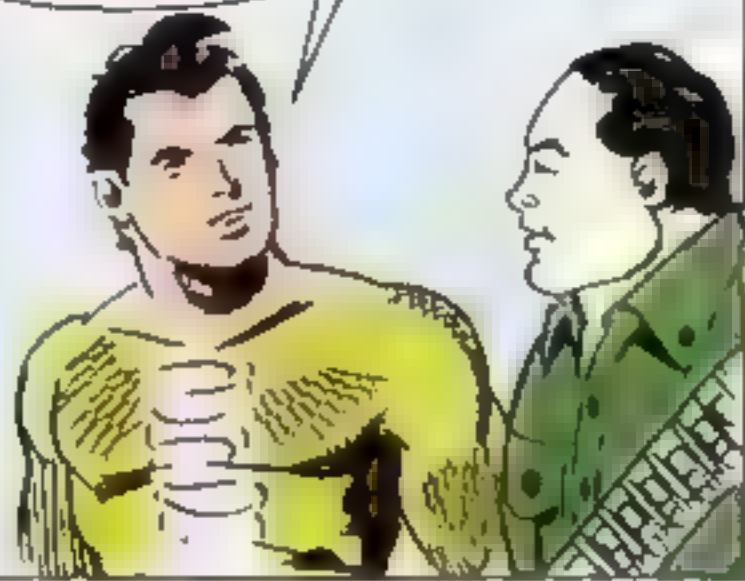
और वान नागराज को जू के
बारे में सब बताता चला गया।

... मुझे डर है कि कहीं
वह तुम्हें कोई नुकसान
जा पहुंचा दे।



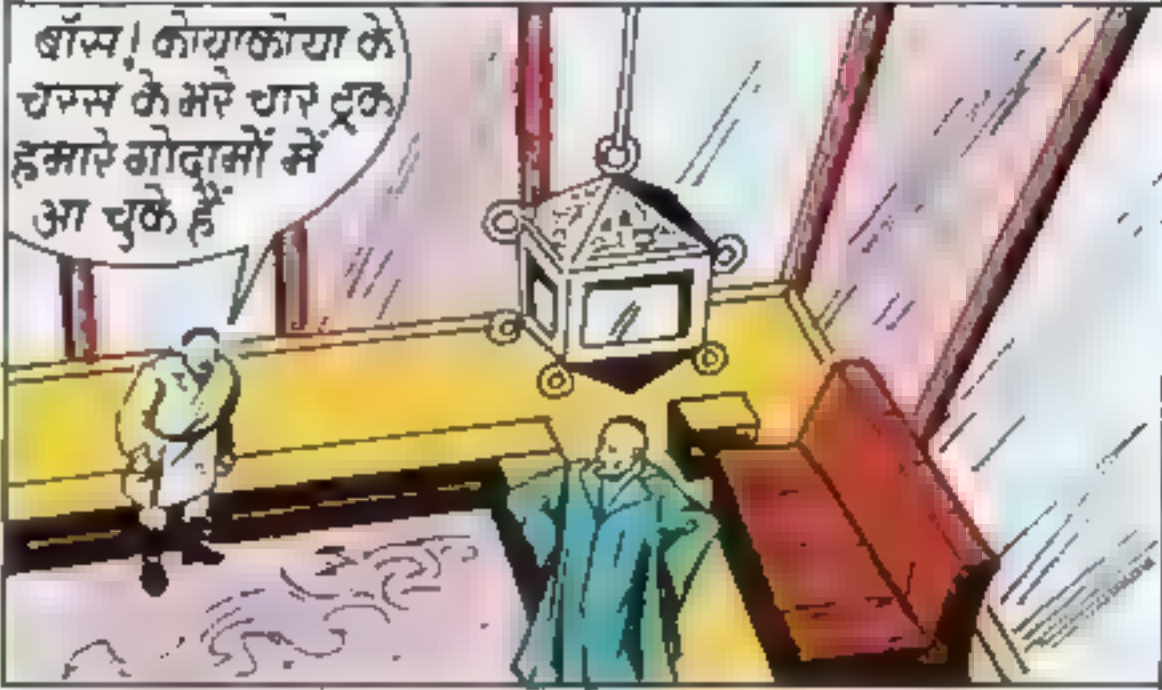
वान! नागराज को
करो। मेरा पक्ष-पक्ष
के बीच गुजर

और जू, उसे भी मैदान में आने दो। नागराज कम नहीं पड़ेगा उससे।

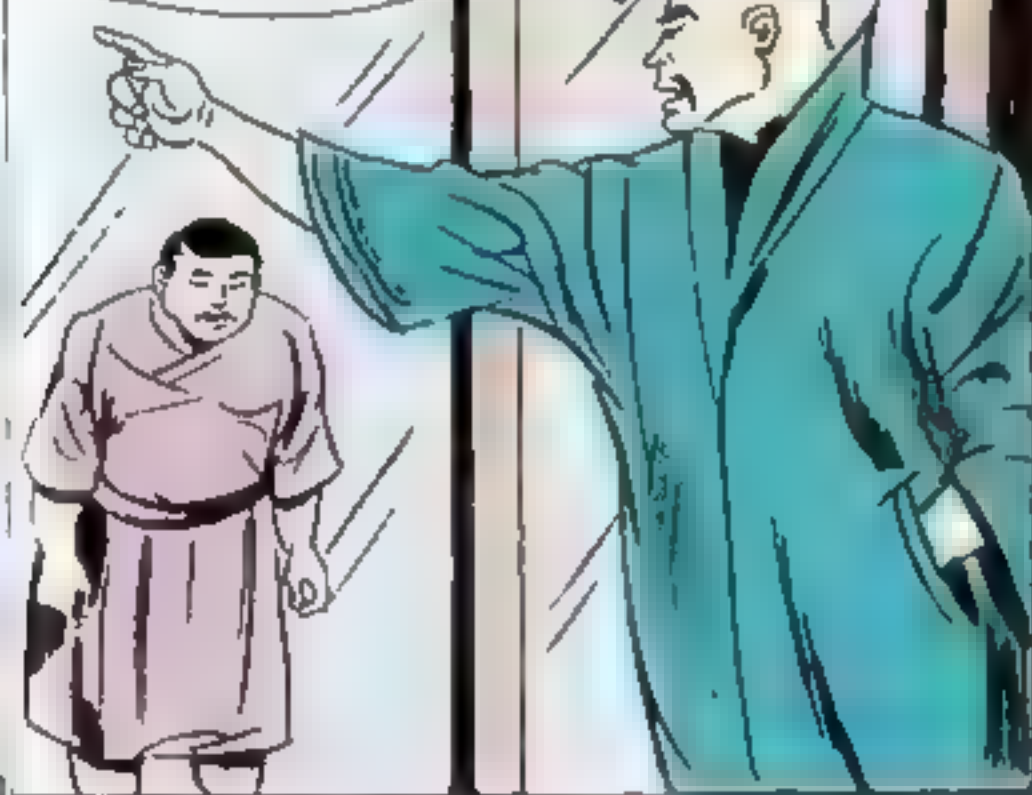


उधर एक बिल्डिंग में चाइना का एक और बड़ा गैंगस्टर सोयासोया

बॉस! कोयाकोया के चप्पस के भरे चार ट्रक हमारे गोदामों में आ चुके हैं



लूट लो कोया कोया को। उसका हर साल हमारे गोदामों में होना चाहिए।



उसके पूरे विरोह का सफाया करना है हमें। चीन में उसकी जगह हमारा राज्य होना चाहिए।



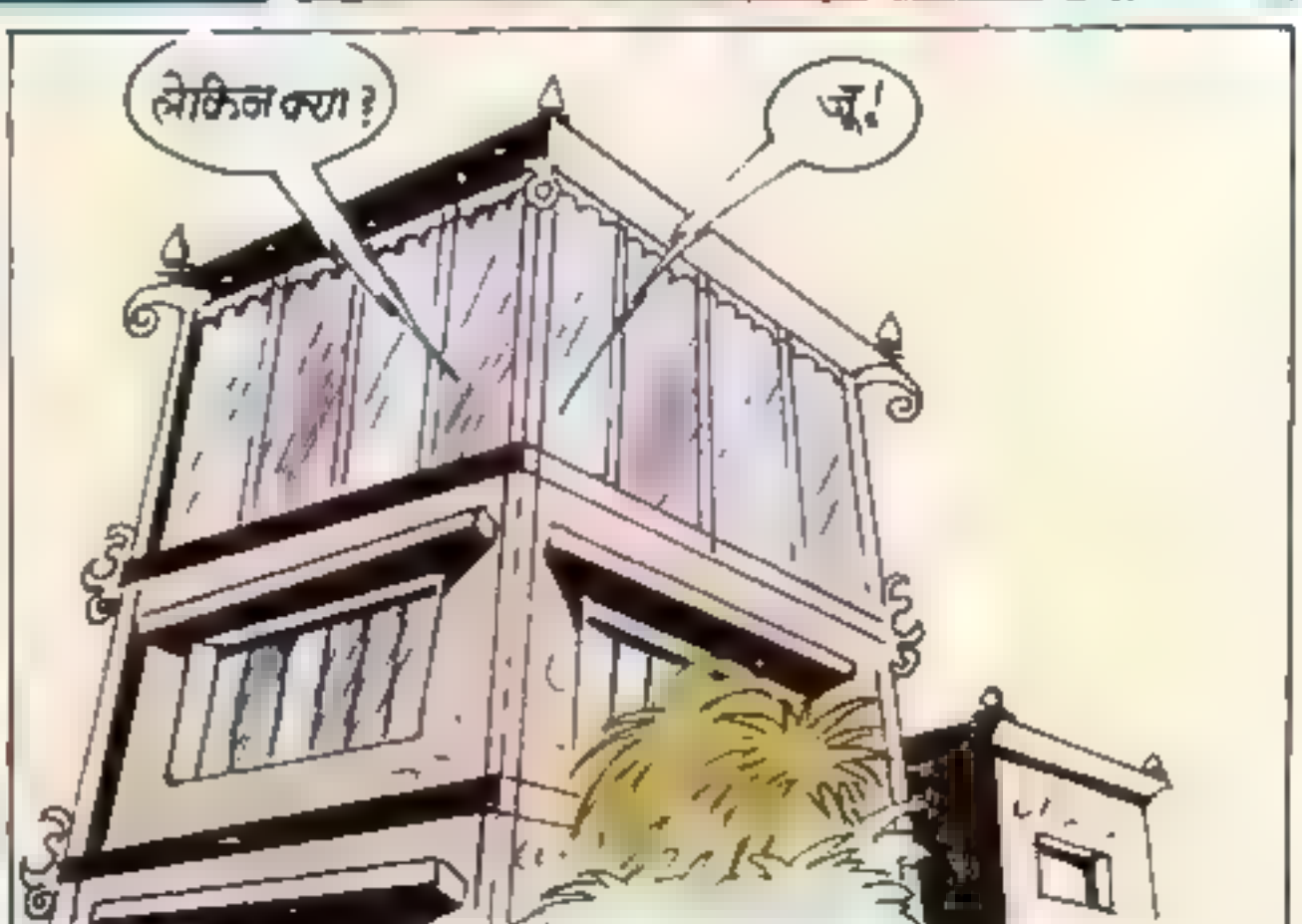
ग्राथियों के भी इरादे बुलंद थे -

ऐसा ही होगा बोट सोयासोया, लेकिन...



लेकिन क्या?

जू!



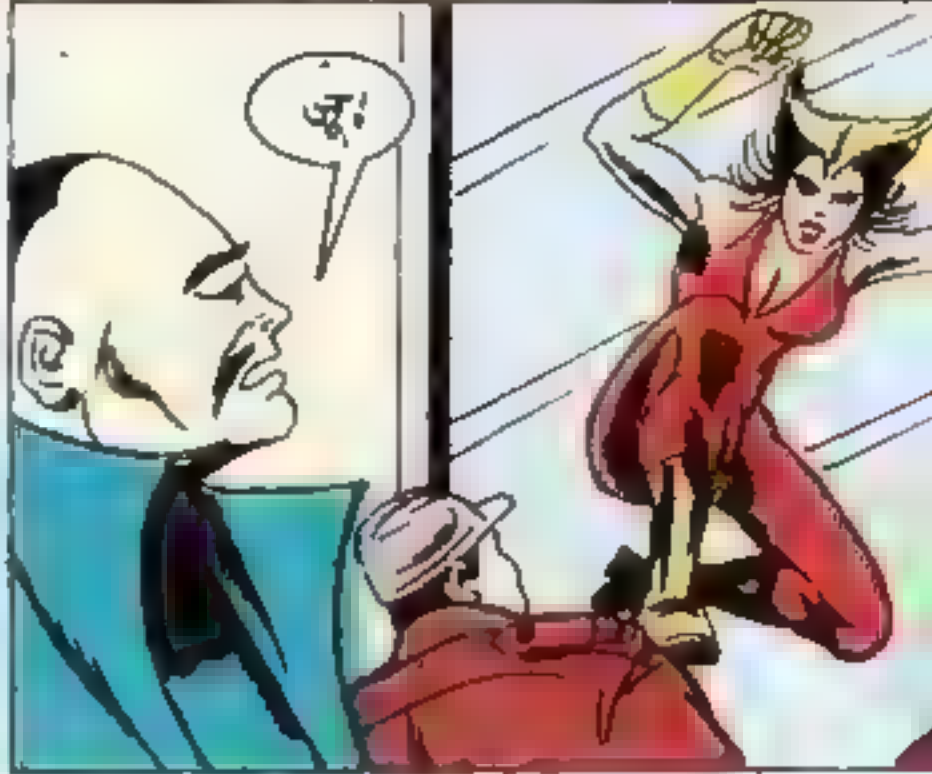
वहाकर लगाया सोरासोरा ने —

जू! हा हा हा जहां
तूफान पहुंच गया
जागराज के हाथों वही
जू भी पहुंच जायगी।
हा हा हा



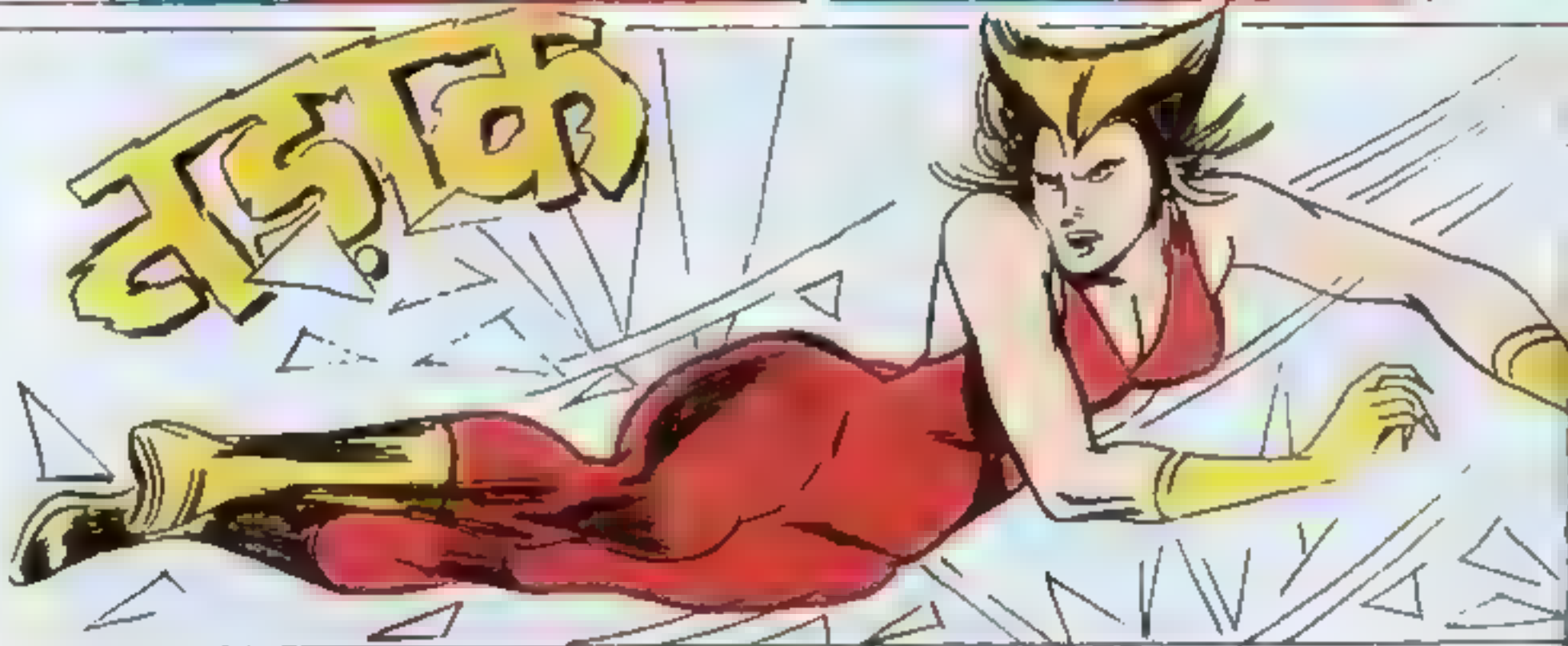
लेकिन —

तब सबकी आंखों में भय की परछाइयां दौड़ गईं —



जू!

दड़क



सोरासोरा!
तूने अपने भाई को
सर कोड़ा-कोड़ा को
बहुत चुकसाज
पहुंचा लिया।...

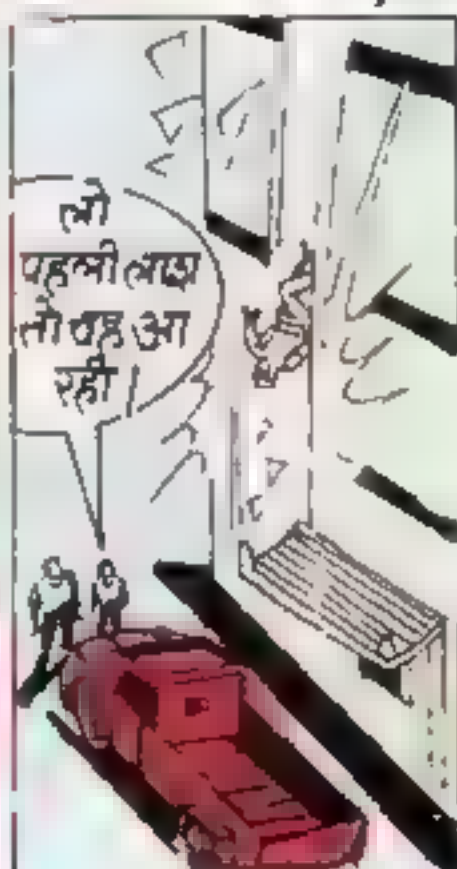
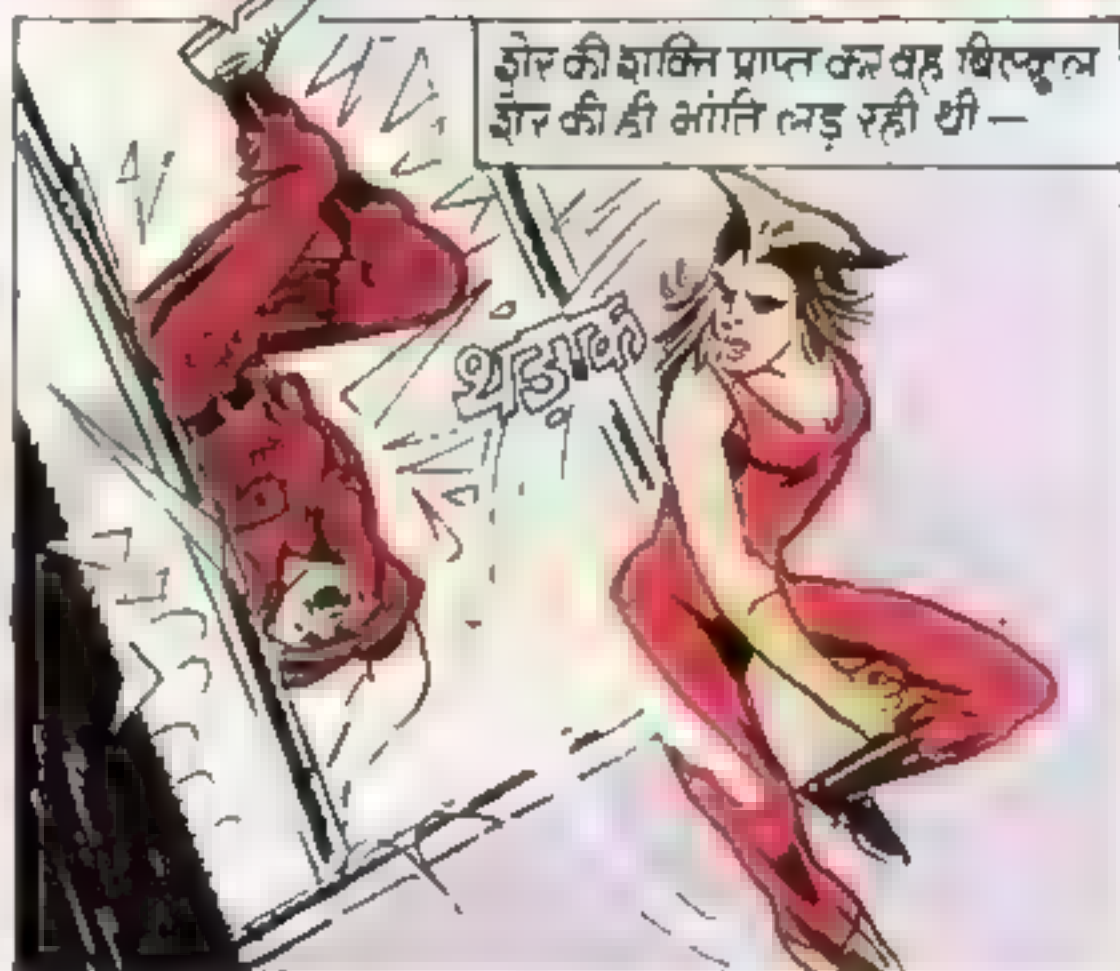


... अब तक तो वह
चोरियां भाई समझकर
रहे, लेकिन अब पानी सि
ऊपर उठ चुका है। अ





तांत्रिक शक्तियों की स्वामिनी जू अकेली ही उन सभी दुष्टों से टकरा गई —





अभी भी
दक में एक लाश
की जगह बाकी
है।

वह
भी आती
होगी।



यह ठीक भी था, क्योंकि अब बचा भी कंचल
सोया सोया ही था --

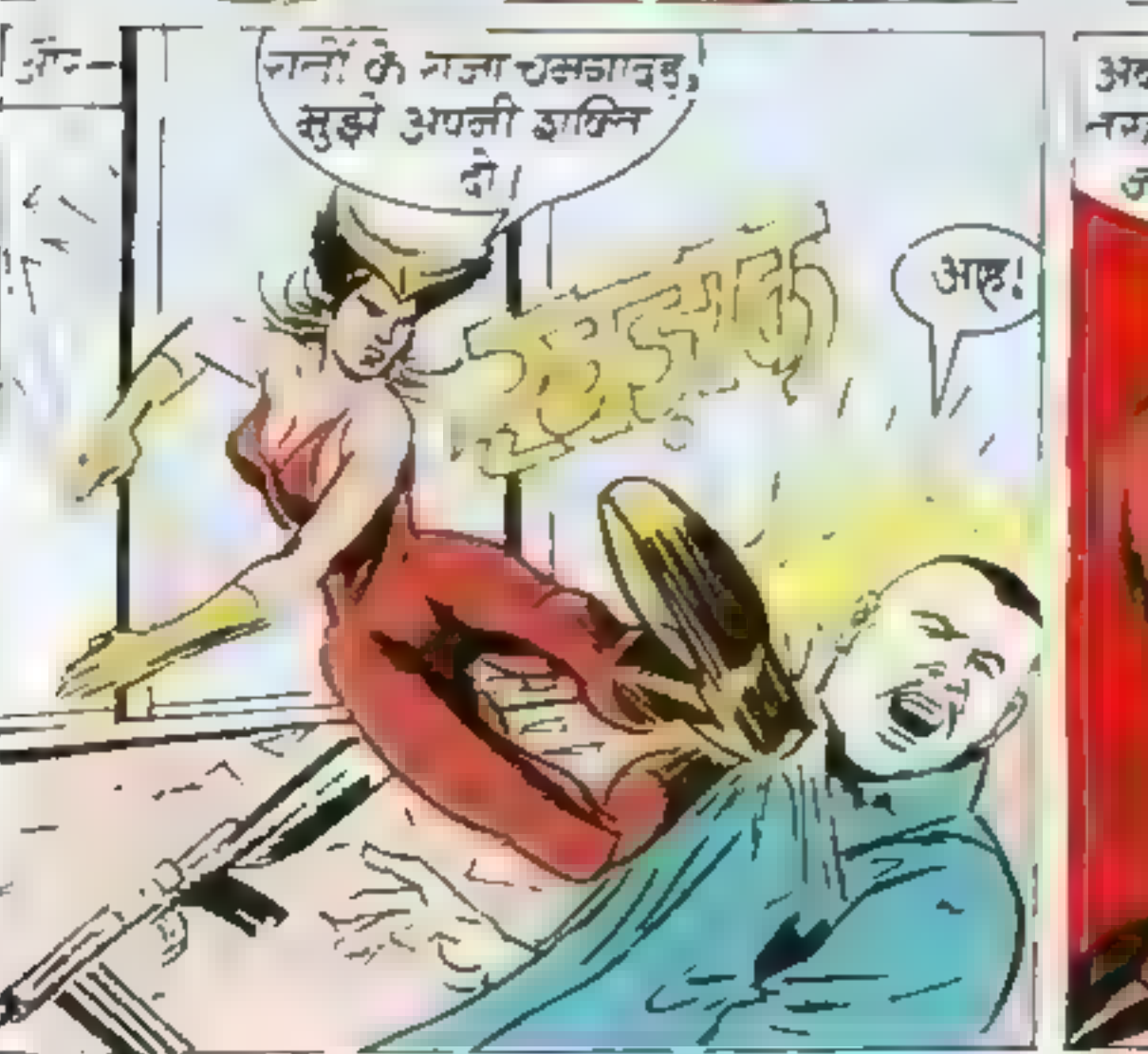
जु लूने मेंरे स
का स्वात्मा कर
तुझे नहीं छ



उफ,
यह हल्ला
फुल्लिया होगा
मैंने कभी नहीं
सोचा था।

वालन्दाज!
मुझे अपनी फुर्ती
दो।

अ, नहीं चरेगी
न।



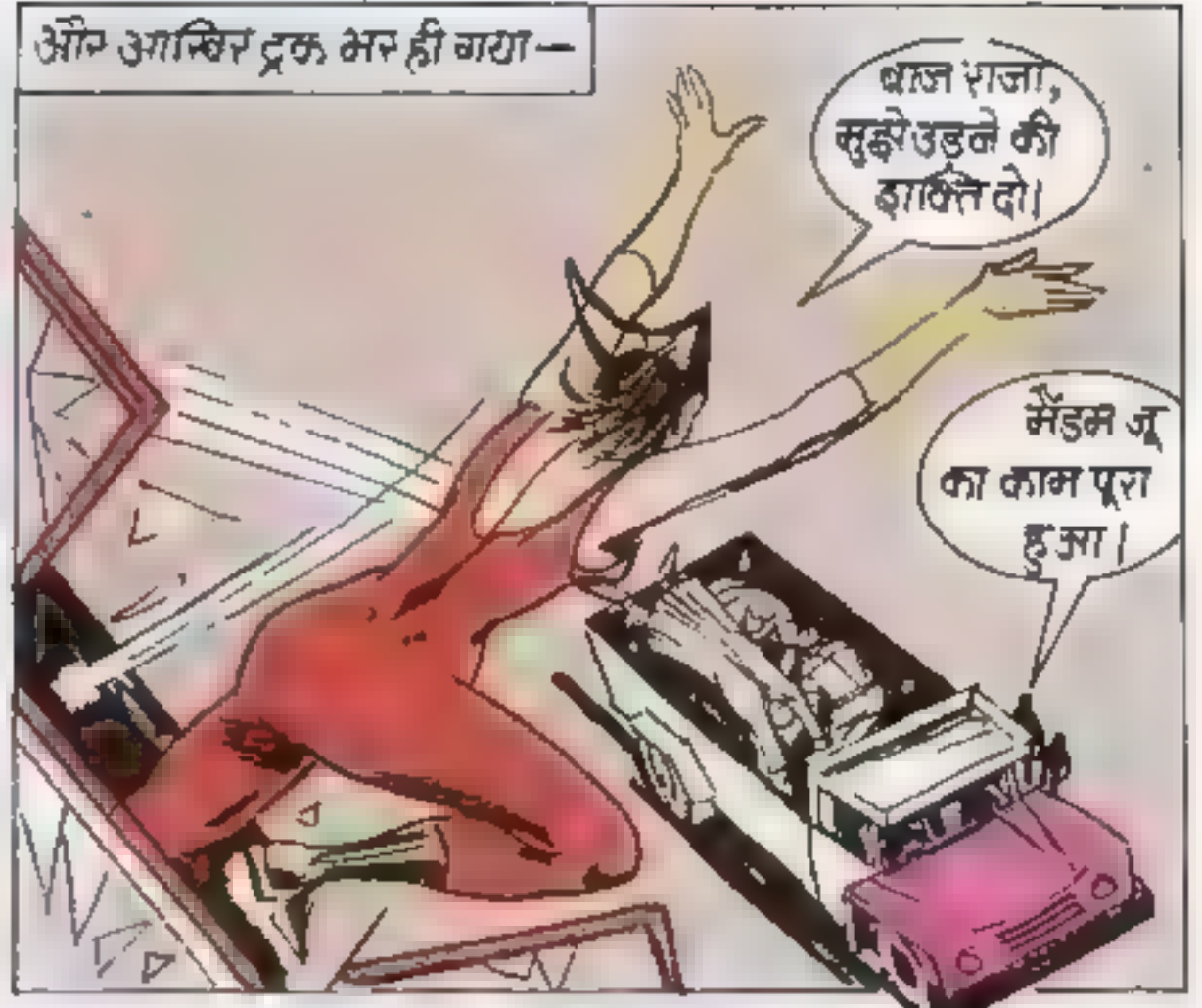
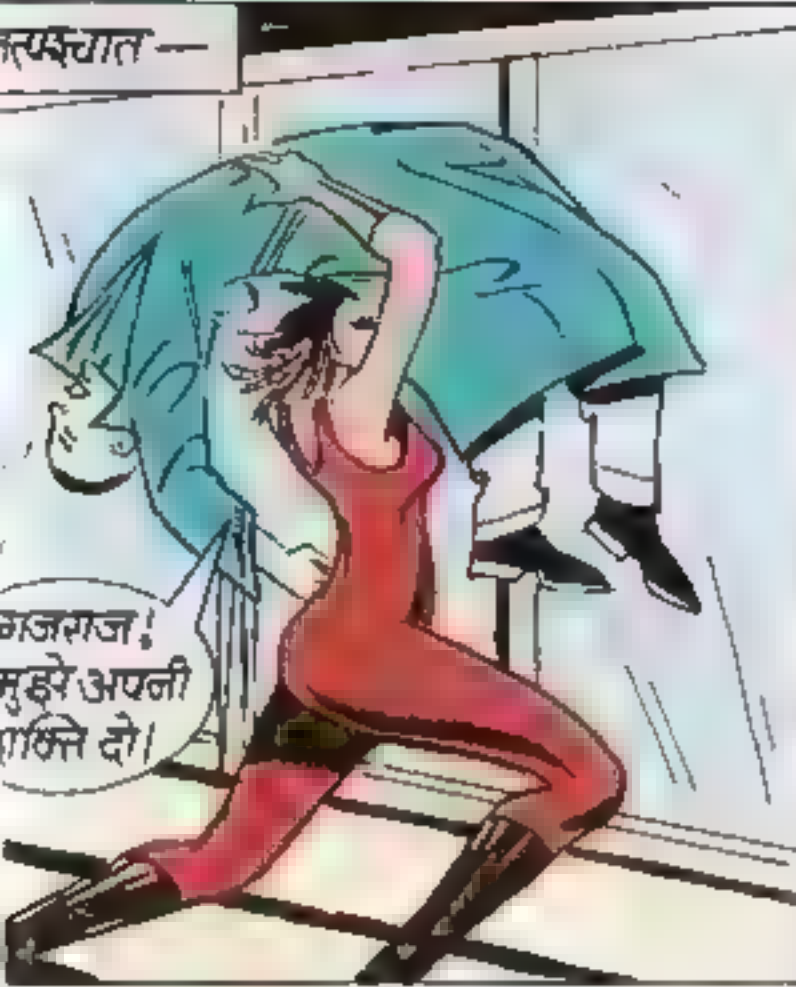
अरे--

ननों के राजा चमगादड़,
मुझे अपनी शक्ति
दो।

आह!

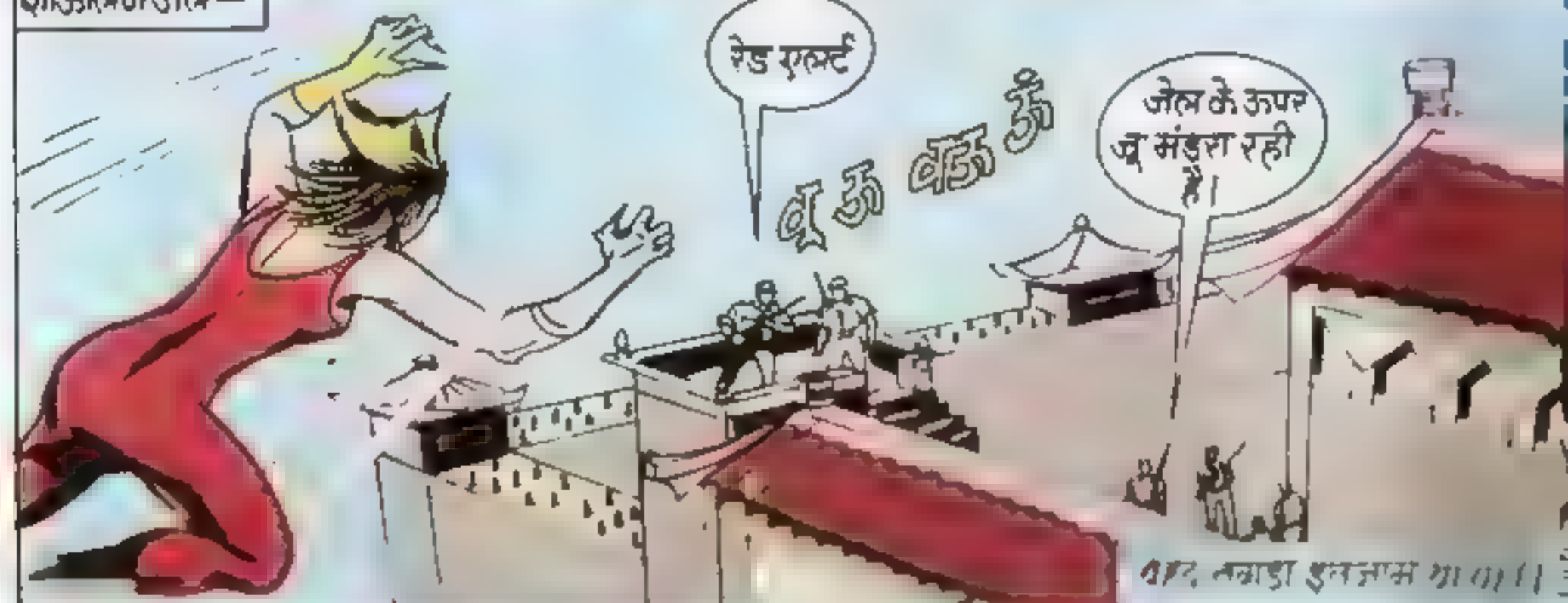


अब मैं चमगादड़ की
नग्न लेरा साज लहू चूस
जाऊंगी कीड़े!





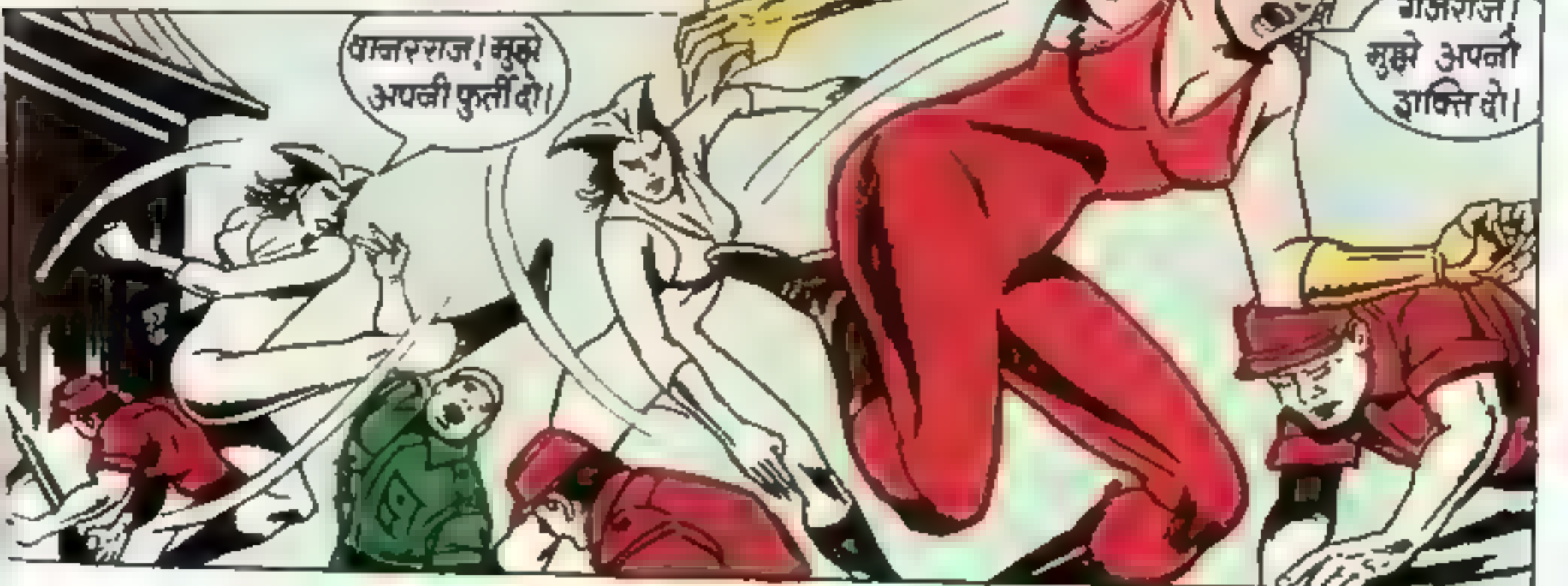
शाऊलिन जेल —



जु बेस्टोफ गोब्रियों की बरसात में नीचे उतरने लगी—



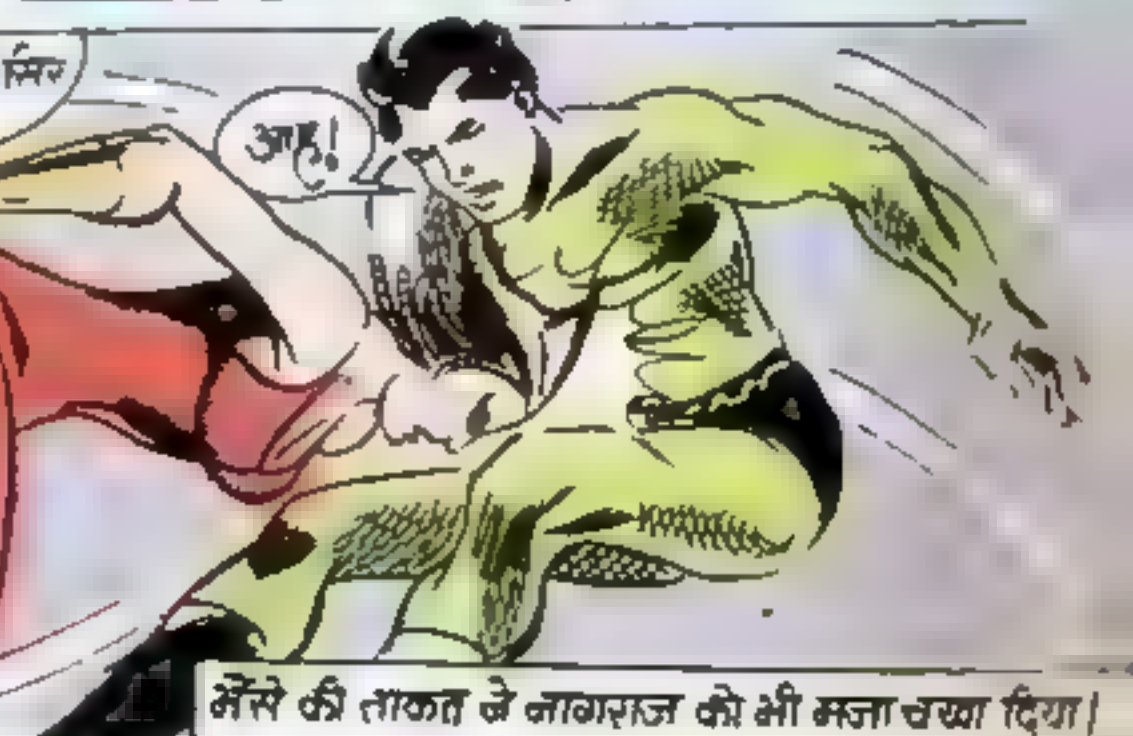
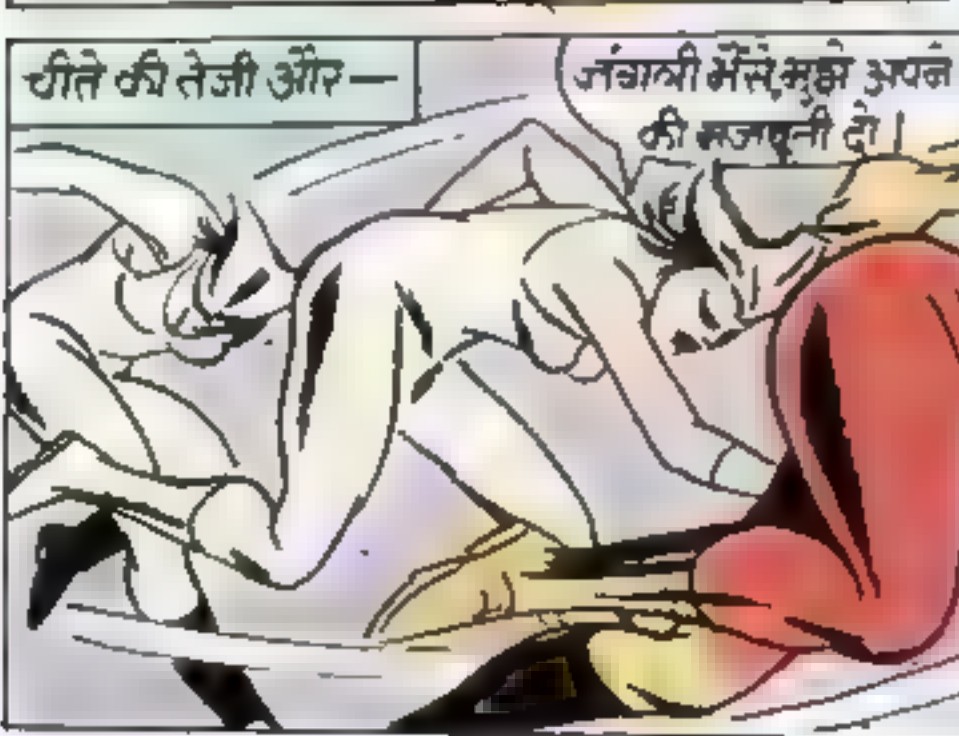
अपने रास्ते की हर रुकावट को साफ करती अकेली जू पांच सौ
पैजियों के बीच तहलका मचाती बड़ी चली जा रही थी—



किन्तु उसकी अंगूठी किक किसी को हिला भी ना पाई क्योंकि —



और लम्बा नागराज का दाँव —

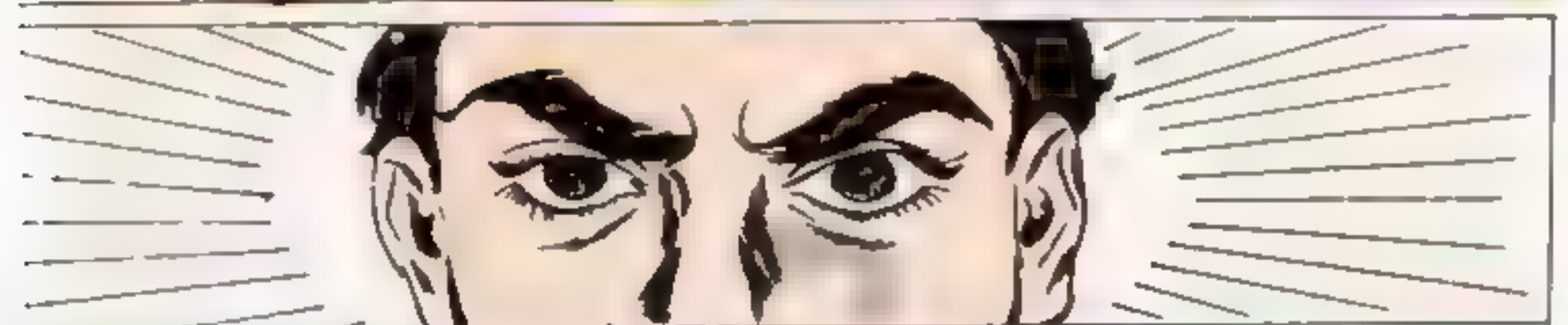


लेकिन नागराज के लिए यह बड़ी बात नहीं थी —

जै! नागराज को भी बराबर की टक्कर में मजा आता है।



दोनों ही एक-दूसरे की शक्ति आंक रहे थे —



गैह! यह जस्मोहिन न था मना है।

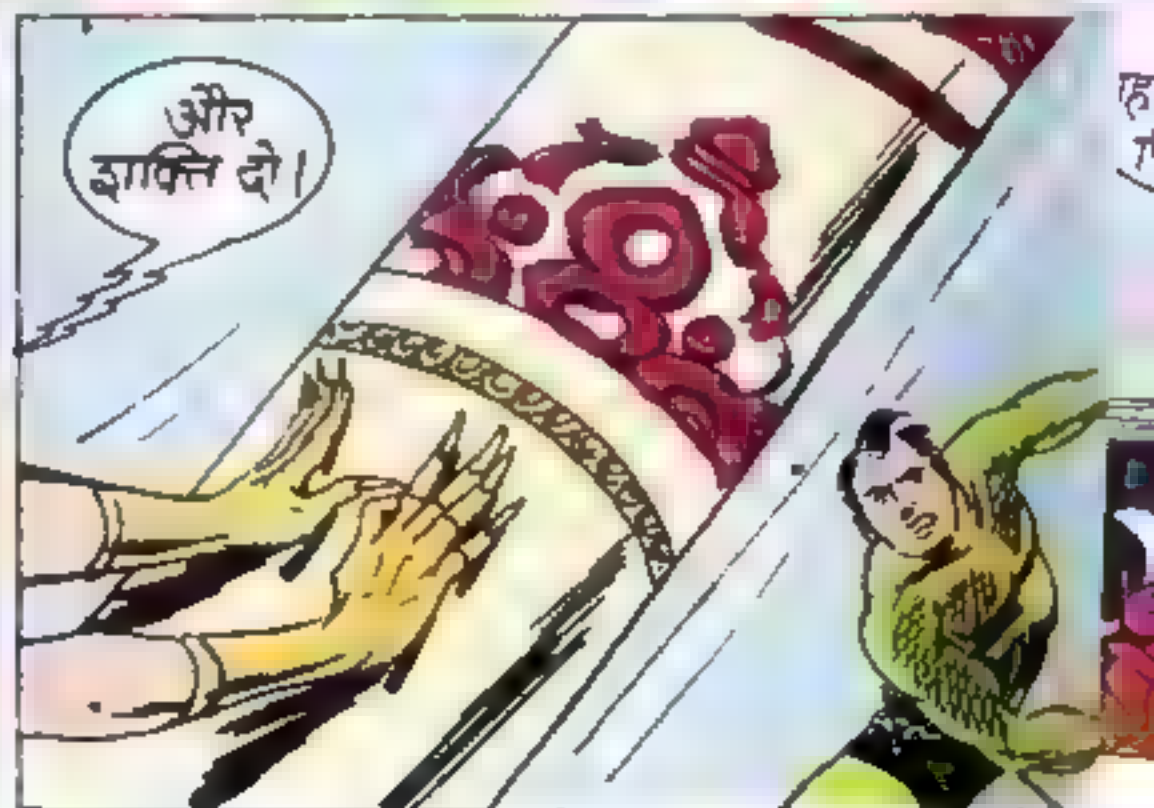
खिन्नी राती! मुझे अपनी जेब शक्ति दो।

नागराज का जादू दृढ़।



बजराज! मुझे अपनी शक्ति दो।

और जू को नाबालक की अविज्ञित सर्प सेना ने बांध लिया -



र जासगज इस भारी विस्फोट के नीचे दब गया —



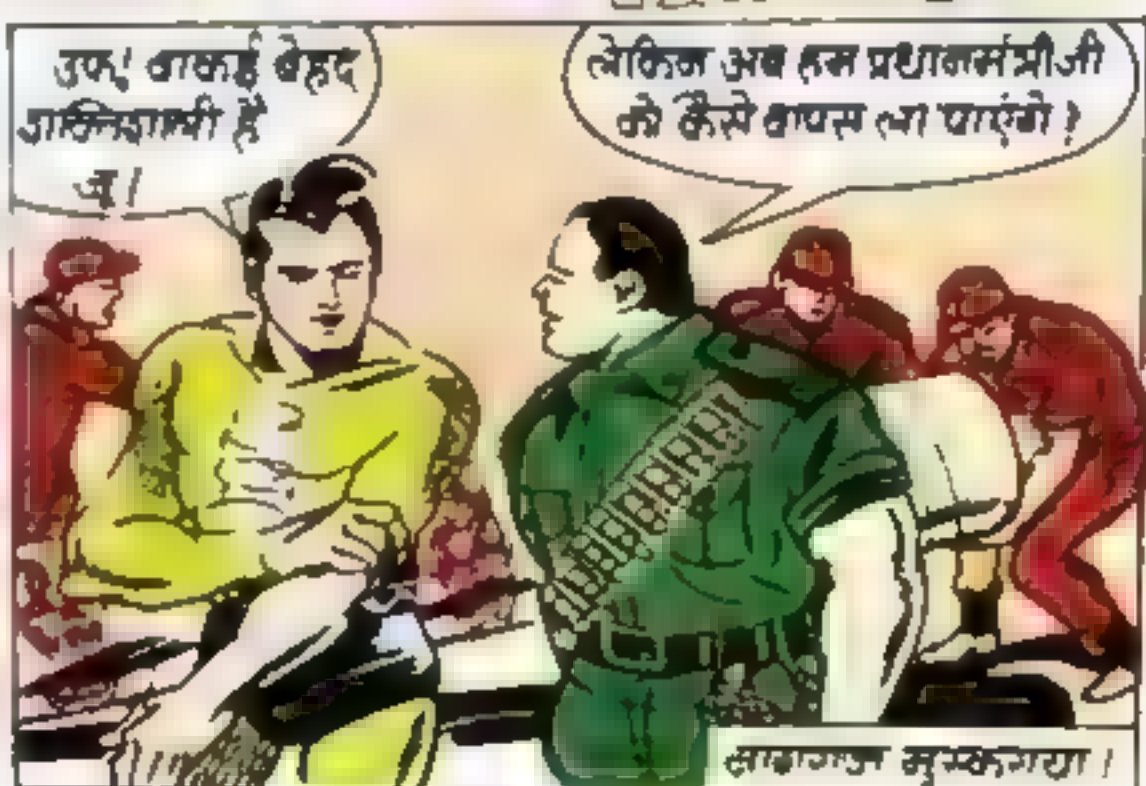
कूट ही कूटों में—



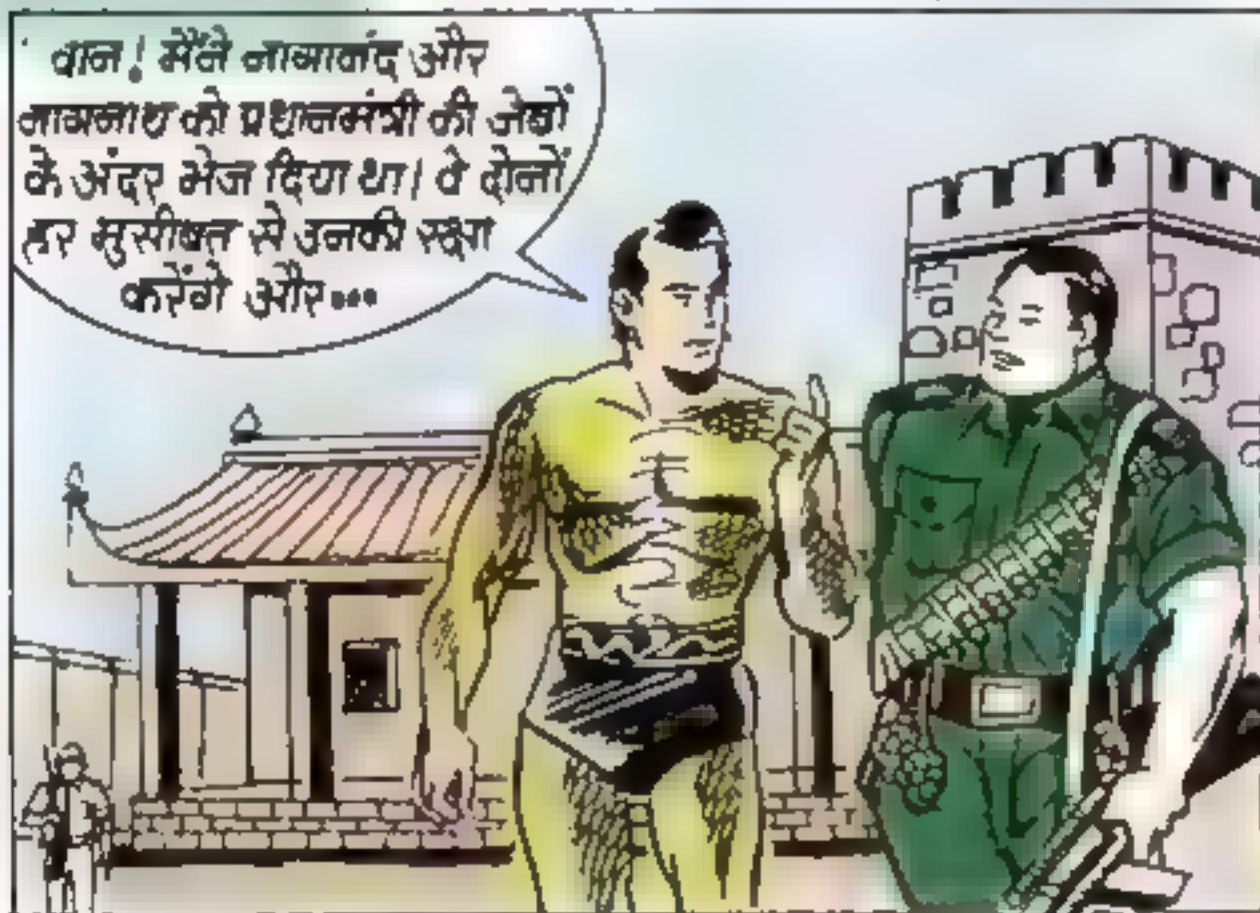
वह प्रधातमंथ्री लीफेंब को लेकर उड़ गई—



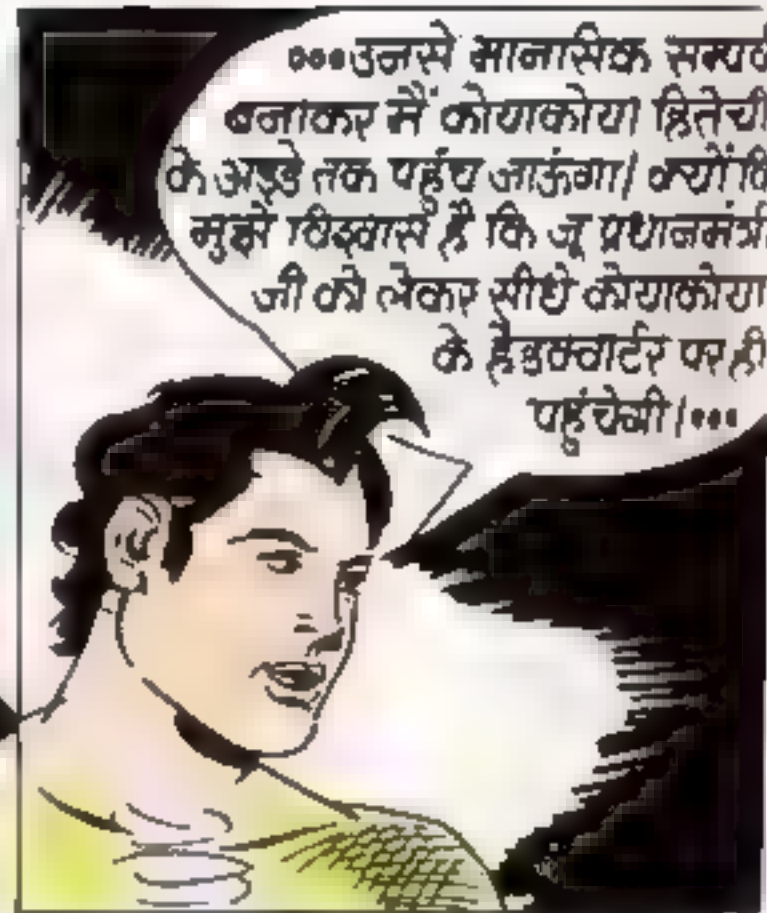
इ के आह्वान होने के बाद —



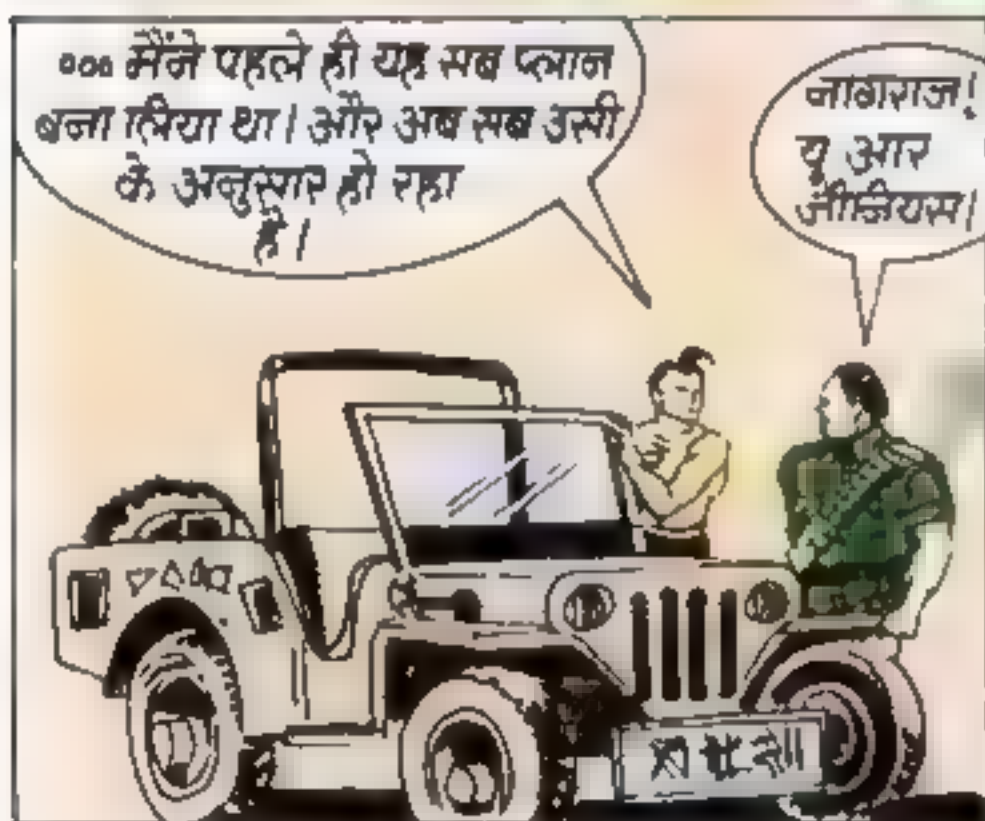
साबगज मुस्कगया ।



वान! मैंने नागाकंद और नागनाथ को प्रधानमंत्री की जेबों के अंदर भेज दिया था। वे दोनों हर सुरीबत से उनकी रक्षा करेंगे और...

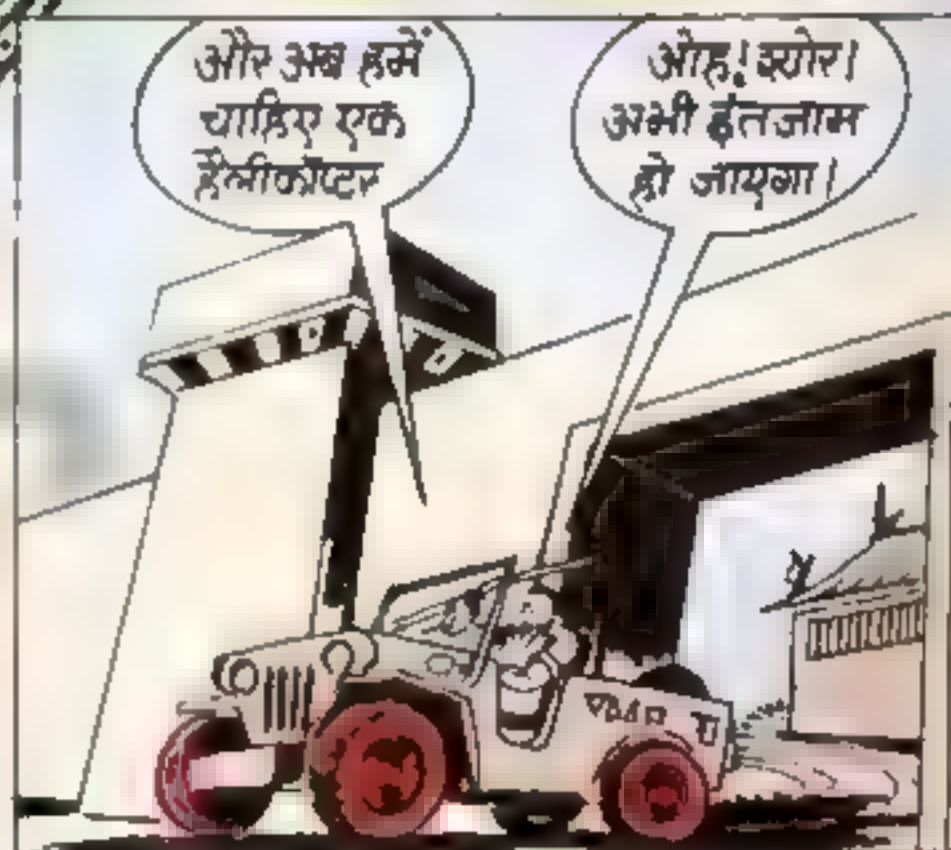


...उनसे मानसिक सख्त बनाकर मैं कोराकोरा हिलेची के अड्डे तक पहुंच जाऊंगा। क्योंकि मुझे विश्वास है कि जू प्रधानमंत्री जी को लेकर सीधे कोराकोरा के हेडक्वार्टर पर ही पहुंचेगी।...



...मैंने पहले ही यह सब प्लान बना लिया था। और अब सब उसी के अनुसार हो रहा है।

नागराज! यू आर जीनियस!



और अब हमें चाहिए एक हेलीकॉप्टर

ओह! झोर! अभी इंतजाम हो जाएगा।



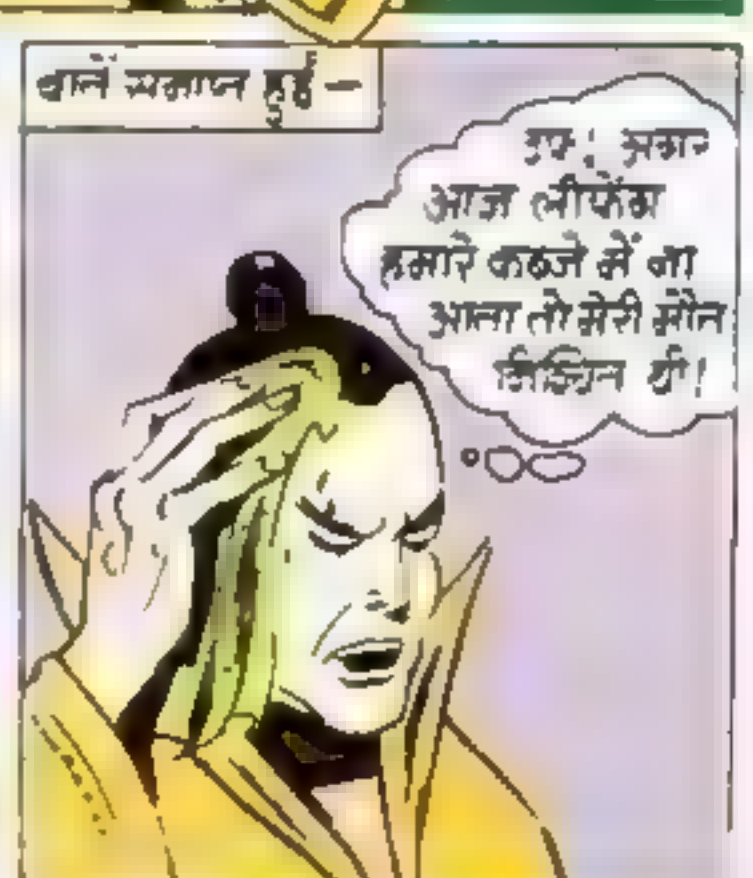
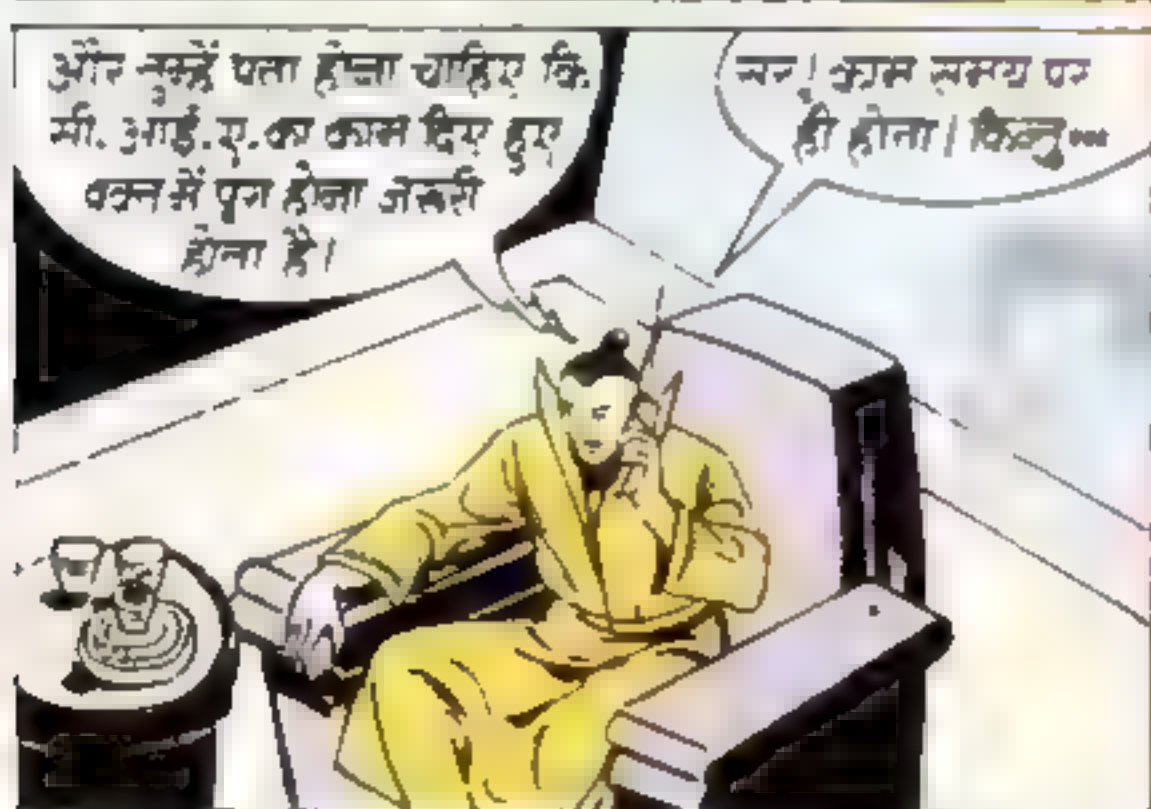
कुछ ही पलों बाद वे दोनों हेलीकॉप्टर पर सवार थे—

वान! मुझे नागाकंद के भेजे संदेश मिल रहे हैं।



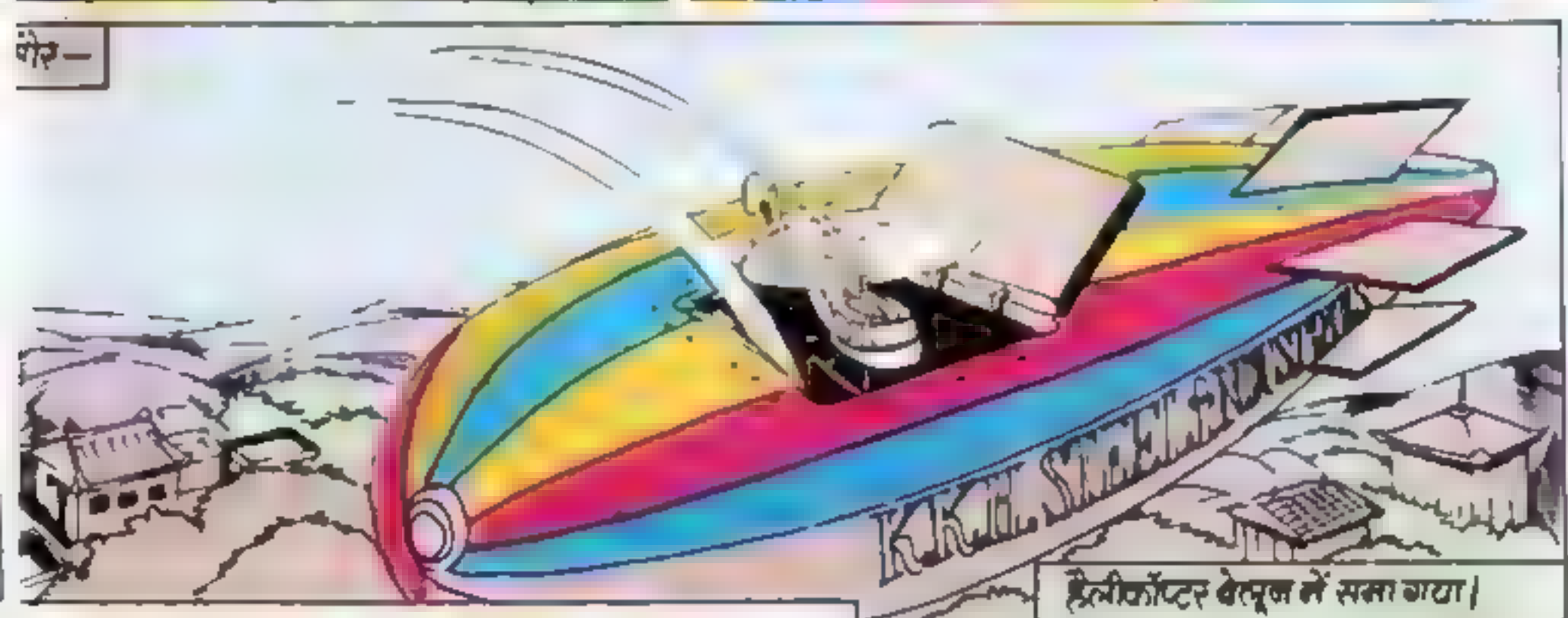
संदेश तो लगना है, कहीं पास से ही आ रहे हैं। आमनाक से ही.. अरे यह क्या?

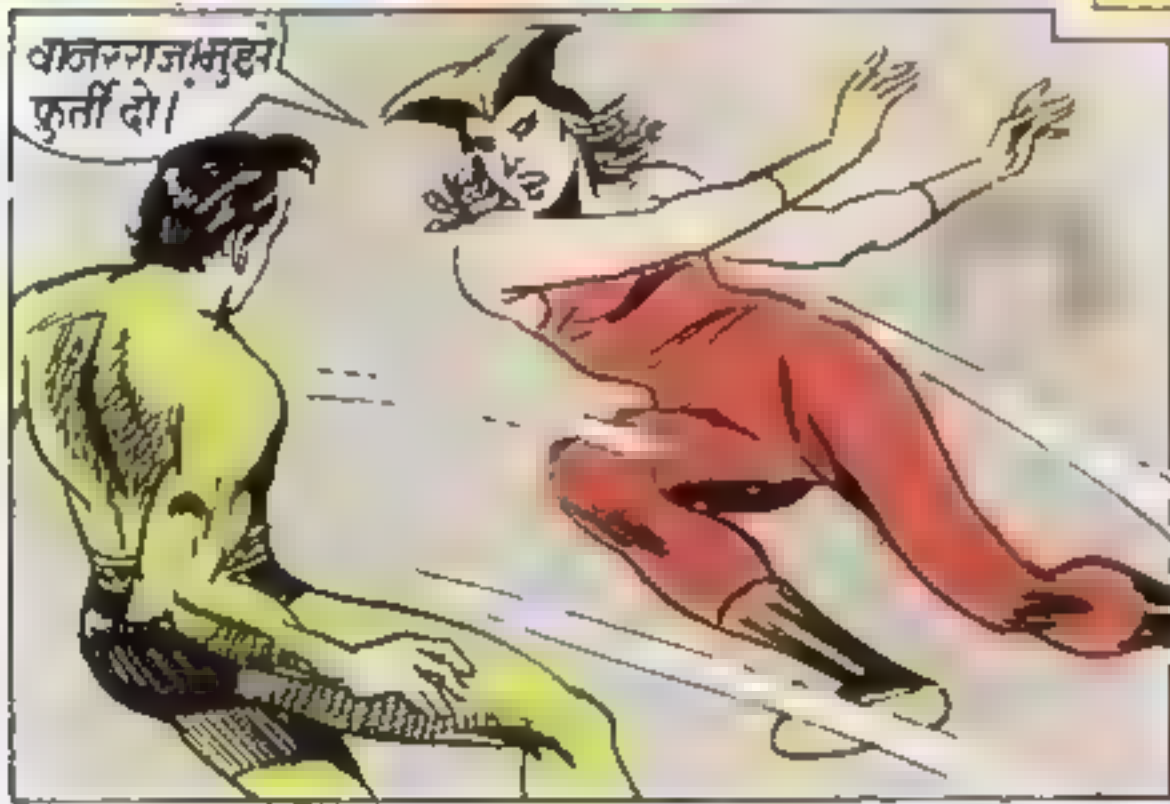
क्या देखा नागराज ने?



इएर जागराज को दिखा था एक बैलून -







किन्तु जागराज तुरन्त ही संभल गया —



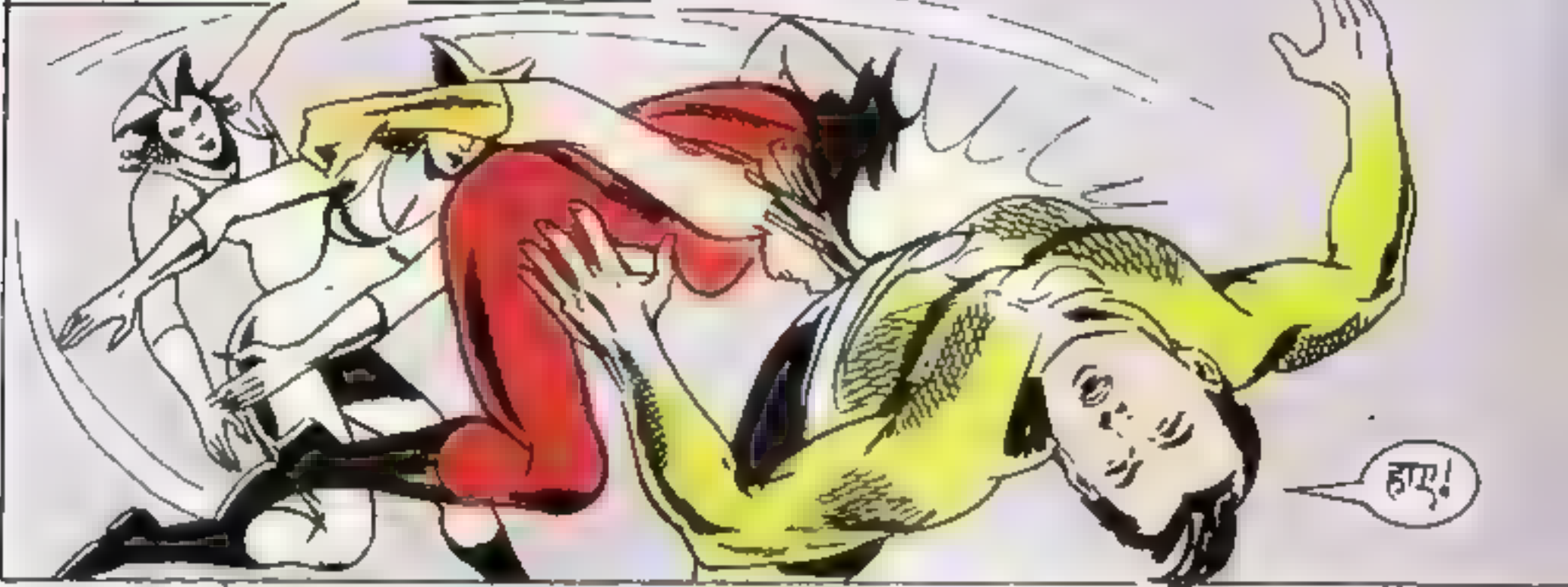
फिर तो कोराकोरा को सभी नस्तर नागराज को ही देने पड़े -



जु सड़ी हुई -



नई शक्ति के साथ जू नागराज की तरफ दौड़ी—



जू से टक्कर नागराज को भी सहंगी यह रही थी—



साक्षरान मोन बनी वह नागराज की तरफ फिर दौड़ी आ रही थी—



और नागराज सही वक्त पर एक तरफ को उछल गया—



टक्कर वाकई जबरदस्त थी।

लेकिन खुद जू भी वह टक्कर ना सह पाई—



किन्तु यही नागराज ने शत्रु की आयुद...

००० उंगली पकड़कर पोंचा पकड़ा था जू ने—



जड़ रह गया जागराज—

मुझे अपनी शक्ति दो जागराज!



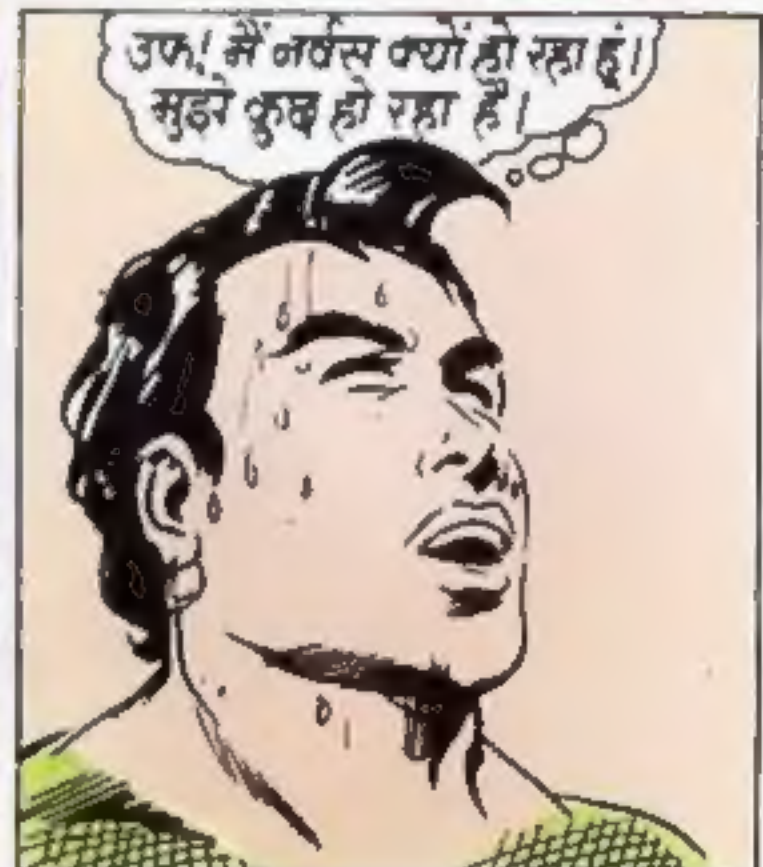
यह क्या कर रही है? ०००



जू को तुम्हारी सभी शक्तियां चाहिए।



उफ! मैं नर्वस क्यों हो रहा हूं। मुझे कुछ हो रहा है।



GIVE UP

NO!

यह जागराज को क्या हो रहा है। अम्बर ००० अम्बर जू ने वाकई जागराज की शक्तियां ले लीं। तो। नहीं ०००

??



जागराज की आत्माशक्ति जवाब देते ही वाली थी कि ०००

वाक तेजी से दौड़ा —



नागराज! होश में आओ नागराज! तुम सर्वशक्ति-मान हो।

तभी कोराकोरा का हाथ हस्कात में आया —



धोंध धोंध धोंध

गोलियों से छलनी हो गया नागराज CELD एजेंट।

किन्तु फिर भी क़स्नामा अंजाम दे दिया उसने —



NAGRAJ YOU ARE NEEDED!

नहींsss

वाक!

नागराज! सुबो सुबो है कि मैं तुम्हारी बांहों में दम तोड़ रहा हूँ। I LOVE CHINA

वाक! तेरे हत्यारों को बहुत बुरी मौत मारूंगा मैं सच।



अब नागराज को कैज रोक सकता था —



हत्यास्त्रि चुड़ैल!

जु की मौत अब निश्चित थी —

नागराज के मुंह से भरकर विष फुंककार निकली —



जु का भी हश्च वही हुआ जो अब तक औरों का होता आया है मौत

नागराज और तूफान-जू

नागराज! अब खेल खत्म आ। तुम जहां हो वहीं रुक जाओ। और जैसे-जैसे मैं कहूँ वैसे करते जाओ, वरना मैं लीफेंग को डाट कर दूंगा।

नहीं, ऐसा मत करना। बोसो मुझे क्या करना है?

मुझे पता है नागराज! अब मुझे यहां से भागना पड़ेगा, इसलिए फिलहाल तो तुमसे छुटकारा पाना जरूरी हो गया है।



क जगह पहुंचकर वह रुक गया।

बेचूज के फर्श में एक दस्खाजा छन गया -



कुछ ही क्षणों में नागानंद, नागनाथ व सर्प सेवाने अद्भुत पैराड्राट बनाना शुरू कर दिया—



नागानंद व नागनाथ 'सूजी जंग' में भी दिखा चुके हैं यह कारनामा।

बड़ा भयानक क्षण था वह जब आकाश में उड़ने वाला धरती से टकराया—



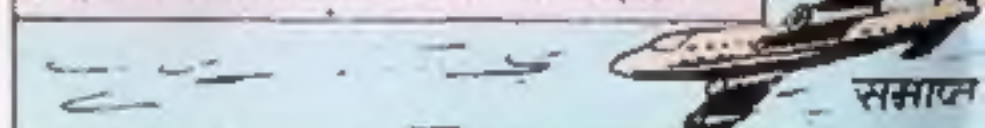
फिर कोरा कोरा हितेची के सभी अड्डों को नेस्तनाबूद कर दिया गया—



और चीन में नागराज का शासदार अभिनंदन हुआ—



और फिर नागराज ने चीन से भी विदा ली—



प्रिय मित्रो! 'काबूकी का खजाना' के लिए आपके बहुत से पत्र प्राप्त हुए। धन्यवाद, मैं आपके सुझावों की तरफ ध्यान दे रहा हूँ। 'आल मौत' में YBAK वाकई मारा गया था, अपनी यह भूल मुझे कुबूल है। नागराज की अगली चित्रकथा का नाम है— 'नागराज और नगीना का जाल', आपके पत्रों के इंतजार में, आपका प्रिय मित्र :- अंजय गुप्ता.
1603, दरीबा कलां, दिल्ली-110006